RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:29 ता. 24 जुलाई 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

केरल गोल्ड स्मगलिंग केस की मुख्य आरोपी का गंभीर आरोप- जांच अधिकारियों ने डिलीट कर दिए सबूत

तिरुवनंतपुरम। केरल गोल्ड स्मगलिंग केस की मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश ने NIA अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। स्वप्ना का कहना है कि केरल पुलिस से एनआईए के ऑफिसर्स ने उसके ज्यादातर सबूतों को डिलीट कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि केरल के पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक एमएलए जलील किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं। स्वप्ना सुरेश ने कहा, केटी जलील किसी भी आरोप से इनकार नहीं कर सकते हैं। यह आरोप नहीं है। इसका सबूत है। हलफनामे में मैंने यह दिखाने के लिए इसे सबूत के तौर पर पेश किया है कि वह किसी भी हद तक गिर सकता है। मैं उस दौरान महावाणिज्य दूत के पीए के रूप में काम नहीं कर रहा थी। अगर आप तारीखों को देखते हैं, तो वास्तव में मैं केरल सरकार के तहत स्पेसपार्क प्रोजेक्ट के लिए काम कर रहा थी, जहां मुझे माननीय की ओर से भेजा गया था।

मैं सबूत दिखाना चाहती थी लेकिन...

मुख्य आरोपी ने कहा, मैं खुलासा नहीं कर सकती, क्योंकि यह मेरे मामले का एक हिस्सा है और इसकी जांच जारी है। मेरा भी दम घुट रहा है कि मैं कुछ कर नहीं पा रही हूं। मेरे खिलाफ साजिश के तहत इस तरह के फर्जी मामले बनाए गए हैं। मैं लोगों को दिखाना चाहती थी कि मेरे पास सबूत है। सबूत पहले एनआईए की ओर से जब्त किए गए थे और जब मैंने अन्य जांच एजेंसियों के साथ बैठने की कोशिश की, तो वे मुझे नहीं मिले क्योंकि ज्यादातर डिलीट कर दिए गए थे। मैं उन्हें इकट्ठा करने की कोशिश कर रही हूं। बता दें कि 5 जुलाई, 2020 को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने एक बैग से 30 किलोग्राम 24 कैरेट सोना जब्त किया गया था, जिसे तिरुवनंतपुरम में यूएई के वाणिज्य दूतावास में पहुंचाया जाना था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद को जयंती पर श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री मोदी ने बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धांजलि दी।मोदी ने ट्वीट किया, फ़बड़े पैमाने पर होने वाला गणेश उत्सव लोकमान्य तिलक की चिरस्थायी विरासतों में से एक है, जिसने लोगों के बीच सांस्कृतिक चेतना की भावना को प्रज्वलित किया।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान स्वतंत्रता सेनानियों बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उन्हें शनिवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने तिलक और आजाद को साहस एवं देशभक्ति का प्रतीक बताया। मोदी ने ट्वीट किया, बड़े पैमाने पर होने वाला गणेश उत्सव लोकमान्य तिलक की चिरस्थायी विरासतों में से एक है, जिसने लोगों के बीच सांस्कृतिक चेतना की भावना को प्रज्वलित किया। अपनी एक मुंबई यात्रा के दौरान मैंने लोकमान्य सेवा संघ का दौरा किया, जिसका लोकमान्य तिलक के साथ घनिष्ठ संबंध है। उन्होंने ट्विटर पर अपने इस दौरे की तस्वीरें भी साझा कीं।

मोदी ने ट्वीट किया, बड़े पैमाने पर होने वाला गणेश उत्सव लोकमान्य तिलक की चिरस्थायी विरासतों में से एक है, जिसने लोगों के बीच सांस्कृतिक चेतना की भावना को प्रज्वलित किया। अपनी एक मुंबई यात्रा के दौरान मैंने लोकमान्य सेवा संघ का दौरा किया, जिसका लोकमान्य तिलक के साथ घनिष्ठ संबंध है। उन्होंने ट्विटर पर अपने इस दौरे की तस्वीरें भी साझा कीं।

प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, मैं मां भारती के दो महान सपूतों लोकमान्य तिलक और चंद्रशेखर आजाद को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। ये दो दिग्गज साहस और देशभक्ति के प्रतीक हैं। मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम की एक क्लिप भी साझा की, जिसमें उन्होंने दोनों महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी थी। उत्तर प्रदेश में 1906 में जन्मे आजाद ने एक क्रांतिकारी नेटवर्क चलाया और अंग्रेजों के हाथों कभी न पकड़े जाने का संकल्प लिया। पुलिस के साथ 1931 में एक मुठभेड़ के दौरान उन्होंने 'आजाद' रहने के संकल्प पर दृढ़ रहते हुए अपनी जान दे दी। वहीं, 1856 में जन्मे तिलक आजादी के आंदोलन के दौरान उभरे उन नेताओं में शामिल थे, जिन्हें अखिल भारत स्तर पर लोकप्रियता हासिल थी।

जलाशयों में पानी भरने से गढ़चिरौली की छह बस्तियों से सड़क संपर्क टूटा

नागपुर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली की छह सुदूर बस्तियों में रहने वाले सैकड़ों आदिवासियों के लिए हर वर्ष मानसून की शुरुआत से पहले आवश्यक वस्तुओं और दवाओं का भंडार करना परंपरा बन गई है क्योंकि बारिश के कारण जलाशयों के भर जाने से ये स्थान जिले के बाकी हिस्सों से चार महीने के लिए कट जाते हैं। महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित बिनागुंडा, तुरेमार्का, कोवाकोडी, पेरिमिलबट्टी, फोडेवाड़ा और दमनमार्का राज्य के सीमावर्ती गांव हैं।

इन स्थानों से लगभग 36 किलोमीटर दूर भामरागढ़ तालुका में स्थित एक अधिकारी ने कहा कि पहाड़ियों से घिरी छह बस्तियां राज्य की सीमा पर सबसे दूरस्थ और अंतिम गांव हैं। उन्होंने कहा, ''इन गांवों के लगभग 500 आदिवासी वन उपज इकट्ठा करके, बांस काटकर और 'कोसरी' नामक बाजरा की खेती करके अपना जीवन यापन करते हैं।'' अधिकारी ने कहा कि इन बस्तियों में बिजली की आपूर्ति नहीं है, लेकिन कुछ घरों में छोटी सौर इकाइयां हैं। मानसून का आना बुनियादी ढांचे की कमी वाले इन गांवों के लिए चिंता लेकर आता है क्योंकि बारिश के कारण जलाशयों में पानी भर जाने और संपर्क टूटने से ये गांव जुलाई से अक्टूबर तक चार महीने के लिए तालुका और जिला मुख्यालय से कट जाते हैं। उन्होंने कहा कि गुंडिनूर नामक एक बड़े नाले में बारिश के दौरान बाढ़ आ जाती है, जिससे क्षेत्र से संपर्क प्रभावित होता है। इस नाले पर पुल नहीं है। अधिकारी ने कहा कि इन गांवों के आदिवासियों को या तो लाहेरी गांव तक 18 से 25 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है या फिर डोंगा (लकड़ी की छोटी नाव) के जरिए नाले को पार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले प्रशासन इन गांवों में आवश्यक और जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध

कराता है। उन्होंने कहा कि निकटतम स्वास्थ्य केंद्र लाहेरी में लगभग 18 किलोमीटर दूर है। अधिकारी ने कहा कि प्रशासन ने चार 'कोतवाल' (स्थानीय राजस्व कर्मचारी) भी नियुक्त किए हैं, जो स्थिति से अधिकारियों को अवगत कराने के लिए इन गांवों का दौरा करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि इस साल बारिश शुरू होने से पहले प्रशासन ने इन गांवों की गर्भवती महिलाओं को एहतियात के तौर पर भामरागढ़ के एक आश्रय गृह में स्थानांतरित कर दिया। अधिकारी ने कहा कि अधिकारियों ने गुंडिनूर नाले पर एक पुल के निर्माण को मंजूरी दे दी है

बीएसएफ ने जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान का ड्रोन देखा

तलाश अभियान जारी

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू-कश्मीर के कानाचक सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन दिखने के बाद उस पर गोलियां चलाईं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सेना ने कानाचक इलाके में पाकिस्तान की ओर से शुक्ररात रात नौ बजकर 40 मिनट पर चमकती हुई लाल रोशनी देखी और बीएसएफ के सतर्क बलों ने उस दिशा में गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि बलों ने इलाके में तलाश अभियान शुरू किया है, जो अभी जारी है। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-

ए-तैयबा के एक आतंकवादी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए प्रतिबंधित संगठन के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया था और उनके पास से पाकिस्तान की ओर से 20 ड्रोन उड़ान के जरिये कथित रूप से गिराए गए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री का बड़ा जखीरा बरामद किया था। ऐसा बताया जा रहा है कि लश्कर ने जम्मू और राजौरी जिलों में तीन आतंकवादी माड्यूल तैनात किए थे, जिनके जरिये जम्मू, सांबा, कठुआ और राजौरी जिलों के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन से गिराए गए हथियारों को एकत्र करके आतंकवादियों तक पहुंचाया जाता था।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महिला से गैंगरेप, दोस्त ने पार्टी के बहाने घर बुलाया; 4 कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक महिला से चार लोगों ने गैंगरेप किया है। आरोप रेलवे के विद्युत विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों पर लगा है। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि उसे सुबह तड़के करीब ढाई बजे पीड़िता ने कॉल करके मामले की जानकारी दी। जब स्टाफ ने उसे ढूंढने की कोशिश तो वह नहीं मिली। मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर पता चला कि वह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 8-9 पर खड़ी है।

तुरंत एसएचओ/एनडीआरएस स्टाफ के साथ प्लेटफॉर्म नंबर 8-9 पर पहुंचे, जहां फोन करने वाली 30 वर्षीय पीड़ित खड़ी थी। फरीदाबाद निवासी पीड़िता ने बताया कि वह पिछले एक साल से अपने पति से अलग रह रही है और उसका तलाक के लिए कोर्ट केस चल रहा है। लगभग दो साल पहले वह एक कॉमन फ्रेंड के जरिए एक लड़के के संपर्क में आई थी। उसने उसे बताया कि वह एक रेलवे कर्मचारी है और उसकी भी नौकरी लगवा सकता है। दोनों फोन पर बात करने लगे।

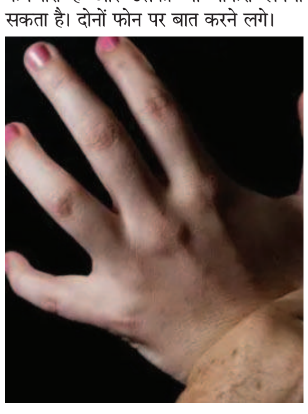

पार्टी के बहाने बुलाया

21 जुलाई गुरुवार को उसने फोन पर उसे बेटे के जन्मदिन और नया घर खरीदने की खुशी में रखी गई पार्टी में शामिल होने के लिए बुलाया। वह रात करीब साढ़े दस बजे मेट्रो से कीर्ति नगर आई, जहां से आरोपी उसे लेकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 8-9 पर आ गया। आरोपी ने उसे विद्युत विभाग के कर्मचारियों के लिए बनी एक झोपड़ी में बैठने के लिए कहा।

रेलवे स्टेशन की झोपड़ी में किया गैंगरेप

इसके बाद उसका एक और दोस्त झोपड़ी के अंदर आया और दरवाजे को अंदर से बंद कर दिया। उन्होंने बारी-बारी से महिला का रेप किया। आरोपी के दो साथियों बाहर से कमरे की पहरेदारी कर रहे थे। पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए आईपीसी की धारा 376घ/342 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। कॉल के 2 घंटे के भीतर सभी चारों आरोपियों को पकड़कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हाथरस में बेकाबू डंपर ने कांवड़ियों को रौंदा, 5 की मौत

हाथरस। यूपी के हाथरस के पास एक बेकाबू डंपर ने कांवड़ियों को रौंद दिया। इस दुर्घटना में 5 कांवड़ियों की दर्दनाक मौत हो गई है। कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर ग्वालियर जा रहे थे। घटना में 2 लोग गम्भीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए आगरा ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि ये कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर मध्य प्रदेश के ग्वालियर जा रहे थे। हाथरस के सादाबाद थाना क्षेत्र के हाथरस-आगरा मार्ग पर बढ़ार चौराहे के पास यह दुर्घटना हुई। शुक्रवार और शनिवार की रात करीब ढाई बजे एक बेकाबू तेज रफ्तार डंपर ने कांवड़ियों के जत्थे को रौंद दिया। इस हादसे में 5 कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सबसे पहले नजदीक के अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद आगरा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार कांवड़ियों का ये जत्था हरिद्वार से गंगाजल लेकर मध्य प्रदेश के ग्वालियर जा रहा था। हादसे की सूचना पर हाथरस के प्रशासनिक और पुलिस

अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घायलों को बचाने के लिए तत्काल राहत कार्य शुरू किया गया। मृतकों के परिवारीजनों को सूचना दी जा रही है।

यूपी, बिहार और दिल्ली के लिए IMD ने जारी किया बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। आइएमडी ने राजधानी दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में हल्की बारिश की संभावना जताई है। विभाग की माने तो दिल्ली-एनसीआर में आज से अगले पांच दिनों तक बारिश लोगों को उमस से राहत दे सकती है। तापमान की बात करें तो राजधानी में आज का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रह सकता है वहीं अधिकतम तापमान 33 डिग्री जाने की आशंका है।

दिल्ली में यह रहेगा मौसम का हाल

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के बुलेटिन में कहा गया है कि शनिवार को न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम रहा। विभाग के

अनुसार दिल्ली के आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। बुलेटिन में कहा गया है कि कई जगह बादल छाए रहेंगे और दिन में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

यूपी-बिहार में भी बरसेंगे बादल

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश में आज हल्की बारिश हो सकती है। वहीं राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान गिरावट के साथ 26 डिग्री और अधिकतम तापमान 32 डिग्री रह सकता है। लखनऊ के साथ गाजियाबाद में आज गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। दूसरी ओर बिहार में भी कुछ जिलों में आज हल्की बारिश का अंदेशा जताया गया है।

24 घंटें में इन राज्यों में होगी भारी बारिश–मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट की माने तो अगले 24 घंटों में मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, तेलंगाना, गुजरात और छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं मराठवाड़ा, कोंकण, विदर्भ और गोवा के साथ अंडमान एंड निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में होगी हल्की बारिश

जानकारी के अनुसार जम्मू कश्मीर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और केरल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में भी हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

जलवायु परिवर्तन से हिमालय पर बढ़ रहा खतरा, जानें विशेषज्ञ ने क्या दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में जलवायु परिवर्तन और हिमालय में अनियोजित मानवीय हस्तक्षेप से पहाड़ी क्षेत्रों में आपदाओं का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप आम लोगों को काफी नुकसान हुआ है। यही कारण है कि हाल ही में, अचानक आई बाढ़ ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में अमरनाथ गुफा मंदिर के पास एक बेस कैंप को नष्ट कर दिया, जिसमें 15 तीर्थयात्री मारे गए थे। अब इसपर विशेषज्ञ ने लोगों और सरकार को चेताया है और कहा है कि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो परिणाम भयंकर हो सकते हैं।

आने वाले समय में बढ़ सकता है खतरा

दक्षिण एशिया नेटवर्क आन डैम्स, रिवर एंड पीपल ([illegible]) के समन्वयक हिमांशु ठक्कर के अनुसार जलवायु परिवर्तन ने दुनिया के लिए खतरा पैदा किया है। और आने वाले समय में यह कई गुणा तेजी से विनाश ला सकता है। इसके चलते ही भूस्खलन, अचानक बाढ़ आना और बादल फटने जैसी घटनाएं अधिक विनाशकारी बनती जा रही है।

इन वजहों को विशेषज्ञ ने बताया कारण

ठक्कर ने कहा कि गैर-विचारित मानवीय हस्तक्षेपों जैसे बांधों, जल विद्युत

परियोजनाओं, राजमार्गों, खनन, वनों की कटाई, भवन, अनियमित पर्यटन और तीर्थयात्रा के कारण पहाड़ों की नाजुकता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि हमारे पास हिमालय के लिए एक विश्वसनीय आपदा प्रबंधन प्रणाली भी नहीं है जिसके चलते नुकसान और बढ़ सकता है।

रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

बता दें कि अगस्त 2018 में नीति आयोग द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय हिमालयी क्षेत्र ([illegible]) में लगभग 50 प्रतिशत झरने सूख रहे हैं। भारत भर में पांच मिलियन झरने हैं, जिनमें से लगभग तीन मिलियन अकेले [illegible] में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 200 मिलियन से अधिक लोग झरनों पर निर्भर हैं, जिनमें से 5 करोड़ लोग क्षेत्र के 12 राज्यों में रहते हैं।

मणिपुर में भूस्खलन इसका बड़ा उदाहरण

दुनिया का छठा सबसे अधिक भूकंप संभावित क्षेत्र मणिपुर में 30 जून को हुए विशाल भूस्खलन ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को एकबार फिर से जीवंत कर दिया है। वहां के नोनी जिले में भूस्खलन से सैनिकों, रेलवे कर्मचारियों और ग्रामीणों सहित 56 लोगों की मौत हो गई थी।

विशेषज्ञ ने दिया यह सुझाव

विशेषज्ञ के अनुसार ग्लेशियर के नीचे की ओर 100-150 किमी तक हरित आवरण बनाए रखने की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों को इको सेंसिटिव जोन घोषित करने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन अनियोजित निर्माण परियोजनाओं और अनियमित पर्यटन को बढ़ा रहा है।

रणवीर सिंह के न्यूड फोटोशूट पर बोले सपा नेता अबू आजमी, नंगे जिस्म की नुमाइश करना आर्ट तो मज़ी से हिजाब पहनने की आजादी क्यों नहीं?

नयी दिल्ली। अभिनेता रणवीर सिंह के हालिया फोटोशूट को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता का बयान सामने आया है। सपा नेता अबू आजमी ने अभिनेता के न्यूड फोटो शूट को राजनीतिक रंग देते हुए एक बार फिर से हिजाब का मसला उठाया है। आजमी ने कहा कि क्या 'कला' के नाम पर नग्नता स्वीकार्य है?

इसके साथ ही सपा नेता ने सवाल उठाते हुए पूछा कि मुस्लिम महिलाओं द्वारा हिजाब पहनना इस्लामी मानदंडों के तहत 'दमनकारी' और 'भेदभावपूर्ण' क्यों माना जाता है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने ट्वीट करते हुए कहा कि नंगे जिस्म की नुमाइश करना आर्ट व आज़ादी कहलाता है तो एक तरफ संस्कृति के मुताबिक लड़की अपनी मज़ी से बदन को हिजाब से ढकना चाहे तो वह उत्पीड़न व धार्मिक भेदभाव कहलाता है। हमें आखिर कैसा समाज चाहिए? नंगी तस्वीरें सार्वजनिक करना आज़ादी है तो हिजाब पहनना क्यों नहीं? सपा नेता पिछले साल के अंत में पड़ोसी राज्य कर्नाटक में पैदा हुए एक विवाद का जिक्र कर रहे थे, जब उडुपी कॉलेज में कुछ लड़कियां हिजाब पहनकर कक्षाओं में आने लगीं, जिससे उनके हिंदू सहपाठियों ने विरोध किया। पूरे कर्नाटक में फैले कॉलेज परिसरों में हिजाब पहनने के विरोध और विरोध के रूप में, राज्य सरकार ने एक आदेश पारित किया, जिसमें सभी धर्मों के छात्रों को परिसरों में धार्मिक पोशाक पहनने से रोक दिया गया। इसे कर्नाटक उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी; कई सुनवाई के बाद, उच्च न्यायालय ने 15 मार्च को राज्य सरकार के आदेश को पलटने से इनकार कर दिया।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुईं इंदु शर्मा, शिमला में कांग्रेस का बढ़ेगा प्रभाव

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और हिमाचल प्रदेश परिवार एवं बाल कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष इंदु वर्मा कांग्रेस में शामिल हो गईं हैं। इंदु वर्मा 3 बार विधायक रहे राकेश वर्मा की पत्नी हैं। इस परिवार की शिमला जिले में अच्छी राजनीतिक पकड़ है। इंदु वर्मा राज्य में महिला जागरूकता मंच नाम का गैर सरकारी संगठन भी चलाती हैं। कांग्रेस में उनका स्वागत करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के हिमाचल प्रदेश प्रभारी सचिव राजीव शुक्ला ने कहा कि इंदु वर्मा के आने से पार्टी को आगामी चुनाव में मदद मिलेगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के हिमाचल प्रदेश के प्रभारी सचिव राजीव शुक्ला ने कांग्रेस में उनका स्वागत करते हुए कहा कि उनके प्रवेश से पार्टी को आगामी चुनाव में मदद मिलेगी। भाजपा हाल के उपचुनावों के बाद निराशा का सामना कर रही है जिसमें लोगों ने पार्टी का पक्ष नहीं लिया। उन्होंने कहा अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार होगी। राजीव शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस 27 जुलाई को धर्मशाला से 'युवा रोजगार यात्रा' शुरू करेगी, ताकि युवाओं में बेरोजगारी की स्थिति के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और उन्हें यह समझाने की कोशिश की जा सके कि पार्टी सत्ता में आने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगी। उन्होंने कहा अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो राज्य में सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन प्रणाली वापस लाएगी।

कश्मीर में सामूहिक निकाह कार्यक्रम में 51 गरीब, अनाथ जोड़े शादी के बंधन में बंधे

श्रीनगर। कश्मीर में एक गैर सरकारी संगठन वी द हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन की ओर से पिछले कुछ वर्षों से सामूहिक निकाह कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि समाज के ऐसे जरूरतमंद परिवारों की मदद की जा सके जिनके बच्चे निकाह योग्य हो गये हैं लेकिन आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि उनका परिवार निकाह का खर्चा उठा सके। श्रीनगर में ऐसे ही एक सामूहिक निकाह कार्यक्रम में 51 जोड़े शादी के बंधन में बंध गये। हम आपको बता दें कि यह एनजीओ अब तक 400 से ज्यादा गरीब लड़कियों का निकाह करवा चुका है। कोरोना काल में इस तरह के आयोजन नहीं हो सके थे लेकिन अब भविष्य में इस एनजीओ की ओर से इस तरह के और आयोजन किये जाने की योजना है। एनजीओ के एक पदाधिकारी ने प्रभासाक्षी के साथ बातचीत में कहा कि इस साल, हमने पहले ही दो सामूहिक निकाह समारोहों के दौरान 60 से अधिक गरीब और अनाथ लड़कियों की शादी का खर्च वहन किया है और आज हमने कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों की 51 गरीब लड़कियों की शादी का खर्च वहन किया है। हम आपको बता दें कि सामूहिक निकाह के आयोजन के पीछे मुख्य उद्देश्य निकाह के दौरान सादगी को बढ़ावा देना और गरीब, अनाथ लड़कियों को शादी करने में मदद करना है। अक्सर गरीब और अनाथ लड़कियां दहेज की मांग पूरी नहीं कर पाने के चलते अधिक उम्र की होती जाती हैं और कोई उनकी मदद को आगे नहीं आता लेकिन 'वी द हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन' जैसे संगठन ऐसी लड़कियों की मदद कर रहे हैं। इन आयोजनों के दौरान लड़के और लड़की को परिवार की शुरुआत के लिए आर्थिक मदद के अलावा घरेलू सामान भी दिया जाता है।

केजरीवाल का ऐलान, 50 केंद्रों पर अंग्रेजी बोलने का कोर्स शुरू करेगी दिल्ली सरकार

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को एलान किया कि दिल्ली सरकार शहर के 50 केंद्रों पर ''अंग्रेजी बोलने का कोर्स'' शुरू करेगी। केजरीवाल ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 12वीं कक्षा पास कर चुका और 18-35 वर्ग का कोई भी व्यक्ति इस कार्यक्रम का हिस्सा बन सकता है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में एक लाख विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में दाखिला दिया जाएगा, जहां प्रशिक्षण देकर उनके अंग्रेजी में संवाद के कौशल में सुधार किया जाएगा। केजरीवाल ने कहा, '''स्पोकन इंग्लिश प्रोग्राम' के पहले चरण में, हम 50 केंद्रों में यह पाठ्यक्रम शुरू करेंगे जिसमें एक लाख लोगों को दाखिला दिया जाएगा। 12वीं पास 18-35 आयु वर्ग का कोई भी व्यक्ति इस कार्यक्रम का हिस्सा बन सकता है। इस कार्यक्रम से उन्हें नौकरियां मिलने और उनके व्यक्तित्व को निखारने में मदद मिलेगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कोर्स के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा लेकिन शुरुआत में लोगों को धरोहर राशि के तौर पर 950 रुपये जमा कराने होंगे। उन्होंने कहा, ''यह धरोहर राशि पूर्ण उपस्थिति के साथ कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद लौटा दी जाएगी। यह तीन-चार महीने का कोर्स होगा और इसमें सप्ताहांत और कामकाजी युवाओं के लिए शाम की पाली में पढ़ाई करने के भी विकल्प होंगे।''

केंद्रीय दल ने तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा किया, मुख्य सचिव से की मुलाकात

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव सौरव रे के नेतृत्व वाले अंतर मंत्रालयी केंद्रीय दल ने पिछले दो दिन में तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा किया और राज्य के मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने उसे बारिश से हुए नुकसान की जानकारी दी। शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया

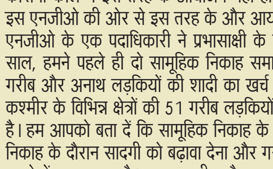

गया कि कुमार ने दौरे के बाद शुक्रवार रात राज्य की राजधानी हैदराबाद आए दल को भारी बारिश से हुए नुकसान की जानकारी दी। इसमें बताया गया कि केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने दो दल बनाकर 21 और 22 जुलाई को कई जिलों का दौरा किया। एक दल ने निजामाबाद, निर्मल और आदिलाबाद जिलों का दौरा किया, जबकि दूसरे दल ने बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु और भद्राद्री कोठागुडेम जिलों का दौरा किया। इससे पहले, केंद्रीय दल ने सचिव आपदा प्रबंधन, राहुल बोज्जा के साथ बैठक करके राज्य के हालात की समीक्षा की। केंद्र के अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए कई गांवों का दौरा किया। मुख्य सचिव ने राज्य का दौरा करने और सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों और विभिन्न विभागों को हुए नुकसान को देखने के लिए केंद्रीय दल को धन्यवाद दिया। केंद्रीय दल ने जिला प्रशासन, राज्य सरकार, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, भारतीय वायुसेना और थल सेना समन्वित प्रयासों की सराहना की, जिनके परिणामस्वरूप भारी बारिश और बाढ़ के बावजूद जानमाल का कमनुकसान हुआ।

आदिवासी हितों की बात करने वालों को जवाब है द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना : अमित शाह

गांधीनगर (एजेंसी)।

गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमितशाह ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू के तौर पर देश को नए राष्ट्रपति मिले हैं। उनका राष्ट्रपति बनना देश के लिए ऐतिहासिक घटना है। एक सामान्य परिवार और आदिवासी समाज से कोई महिला देश की राष्ट्रपति बनी है यह बहुत बड़ी बात है। द्रौपदी मुर्मू जिस समाज से आई हैं, उस समाज के ज्यादातर लोगों भी पता नहीं है कि वह क्या बनी हैं। अमित शाह ने कहा कि आदिवासी हितों की बड़ी बड़ी बातें करने वालों को द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना कड़ा जवाब है। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में प्रोजेक्ट विश्वास के तहत सीसीटीवी कैमरा आधारित सर्वेलन्स एन्ड इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के राज्यस्तर के कमांड एन्ड कंट्रोल सेंटर 'त्रिनेत्र' के उदघाटन समारोह में बोल रहे थे। गुजरात पुलिस की तारीफ करते हुए अमित शाह ने कहा कि देश के 96 प्रतिशत पुलिस स्टेशन में सीसीटीवी और ऑनलाइन का काम पूरा हो चुका है। गुजरात में कानून व्यवस्था की स्थिति पर पुस्तक लिखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब अहमदाबाद 200 दिनों तक कर्फ्यूग्रस्त रहा था। 365 में से 212 दिन बैंक में क्लीयरिंग का काम ठप रहा हो ऐसा अहमदाबाद शहर था। लेकिन 2002 के बाद परिस्थितियां बदलीं और राज्य में कर्फ्यू की घटनाएं इतिहास बनकर रह गई हैं। उन्होंने कहा कि 1984 में मैं पोरबंदर गया था, जहां एक बोर्ड था कि, 'कानून व्यवस्था की हद पूर्ण हुई है और यहां से पोरबंदर शुरू होता है।' नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद कठोरता से समाज के दुश्मनों के खिलाफ कार्यवाही की। अमित शाह ने तिरंगा अभियान को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर तिरंगा अभियान दिया है। सभी लोग 13, 14 और 15 अगस्त को अपने घरों पर तिरंगा फहराकर पीएम मोदी के अभियान को सफल बनाएं। गुजरात की जनता से मेरी अपील है कि एक भी ऑफीस या घर तिरंगा से अछूता ना रहे इसका खास ध्यान रखें।

भ्रष्टाचार रोधी हेल्पलाइन पर अभी तक तीन लाख से ज्यादा शिकायतें मिलीं : पंजाब सरकार

चंडीगढ़। पंजाब में सत्तासीन आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को कहा कि राज्य की भ्रष्टाचार रोधी हेल्पलाइन पर अभी तक तीन लाख से भी ज्यादा शिकायतें आयी हैं और सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई' करेगी। पंजाब सरकार ने कहा कि भ्रष्टाचार रोधी हेल्पलाइन पर रोजाना 2,500 से ज्यादा शिकायतें मिल रही हैं। पंजाब में सत्तासीन आम आदमी पार्टी ने इस संबंध में जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर साझा की। उन्होंने बताया, ''हमारा सपना -- भ्रष्टाचार मुक्त पंजाब।'' भगवंत मान नीत सरकार ने मार्च में भ्रष्टाचार-रोधी हेल्पलाइन लांच कर लोगों को विकल्प दिया कि वे भ्रष्टाचार में लिप्त सरकारी कर्मचारियों/अधिकारियों की ऑडियो और वीडियो साक्ष्य उसपर भेज सकें। पंजाब सतर्कता विभाग द्वारा इन शिकायतों की जांच की जाती है।

कोरोना जंग में सरकार की बढ़ी पेरशानी, करीब 4 करोड़ आबादी ने पहली भी खुराक नहीं ली

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हाल ही में जानकारी साझा की गई है, कि देश में अब वैक्सीन की 200 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। इसमें पहली, दूसरी और बूस्टर डोज शामिल है। हालांकि, एक आंकड़ा हैं, जो सरकार की चिंता बढ़ा सकती है। 18 जुलाई तक देश की करीब 4 करोड़ आबादी ने पहली भी खुराक नहीं ली थी। बता दें कि केंद्र कोरोना के खिलाफ मुफ्त टीकाकरण अभियान चला रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने बताया, 18 जुलाई तक करीब 4 करोड़ लाभार्थियों ने कोविड के टीके की एक भी खुराक नहीं ली है।'

बता दें कि अब तक प्रशासित कुल 201 करोड़ से अधिक खुराकों में से 97 प्रतिशत से अधिक को सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर मुफ्त में वैक्सीन दी गई है। हाल ही में मोदी सरकार ने सभी पात्र वयस्कों को मुफ्त बूस्टर शॉट देने के लिए 75-दिवसीय विशेष अभियान भी शुरू किया है।

अब तक देश भर में वयस्कों को कुल लगभग 6.77 करोड़ आबादी ने एहतियाती खुराक (बूस्टर डोज) ली है। इस विशेष अभियान से पहले सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्रों में इस साल 16 मार्च से स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंट-लाइन वर्कर्स और 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी लाभार्थियों के लिए एहतियाती खुराक मुफ्त उपलब्ध थी।

सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी लोगों को एहतियाती खुराक देने के लिए एक विशेष 75-दिवसीय अभियान 15 जुलाई से शुरू हुआ। अभियान 'कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव' का उद्देश्य पात्र आबादी के बीच कोविड की एहतियाती खुराक को बढ़ावा देना है। भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए सरकार के 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया।

जीतनराम मांझी ने शराबबंदी पर उठाए सवाल, बोले- बड़े लोग पीकर सो जाते हैं, उनसे सीखे शराब पीने की कला

पटना। (एजेंसी)।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को राज्य के गरीबों को सलाह दी कि वे शराब पीने की कला अमीर लोगों से सीखें, जो नशा के बाद हंगामा नहीं करते और चुपचाप सो जाते हैं। बिहार में शरामांझी ने एक शराबी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बारे में मीडिया में आई खबरों का जिक्र करते हुए कहा, ''अनर्थ हो रहा है।'' मामले में एक व्यक्ति काम के बाद शराब पीकर सड़क किनारे बैठकर हंगामा कर रहा था तभी पुलिस वहां पहुंच जाती है।बबंदी लागू है। मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन में भागीदार है। मांझी ने पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। मांझी ने एक शराबी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बारे में मीडिया में आई खबरों का जिक्र करते हुए कहा, ''अनर्थ हो रहा है।'' मामले में एक व्यक्ति काम के बाद शराब पीकर सड़क किनारे बैठकर हंगामा कर रहा था तभी पुलिस वहां पहुंच जाती है।

सांस की जांच के बाद उस व्यक्ति को जेल भेज दिया गया। मांझी ने कहा कि एक या दो पैग लेने में ''कुछ भी गलत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें बड़े साहबों का अनुकरण करना चाहिए जो चुपचाप रात में कुछ घूंट का आनंद लेते हैं और सो जाते हैं। इसलिए, कभी पकड़े नहीं जाते।'' मांझी ने चिकित्सकीय आधार पर सीमित मात्रा में शराब के फायदे बताने वाले अखबार के लेखों का भी हवाला दिया। बिहार में अप्रैल 2016 से शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध है। विधानसभा चुनावों के दौरान राज्य की महिलाओं से नीतीश कुमार के वादे के बाद प्रतिबंध का यह कदम उठाया गया था।

दिल्ली की तिहाड़ जेल में यासीन मलिक ने शुरू की भूख हड़ताल, कहा- केस की सही जांच नहीं हो रही

कोलंबो। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल में कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। जेल के अधिकारियों ने मलिक के भूख हड़ताल करने की वजह पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन सूत्रों ने बताया कि मलिक ने निष्पक्ष सुनवाई नहीं होने का आरोप लगाया है। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मलिक ने शुक्रवार सुबह भूख हड़ताल शुरू की। प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख मलिक को इस साल मई में दिल्ली की एक अदालत ने आतंकवाद का वित्तपोषण करने के मामले में दोषी ठहराया था।

मलिक को विभिन्न अवधि की कारावास की सजा सुनाई गई थी और सारी सजा एकसाथ चल रही है। मलिक को कड़ी सुरक्षा के बीच जेल नंबर सात में एक अलग कोठरी में रखा गया है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा वर्ष 2017 में दर्ज आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में मलिक को वर्ष 2019 की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले कड़ी सुरक्षा वाली तिहाड़ जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर भी पत्नी से अतिरिक्त मुलाकात की मांग को लेकर 17 दिनों तक भूख हड़ताल पर था। चंद्रशेखर जेल नंबर छह में बंद है।

पाकिस्तानी एजेंसियों और उनके आकाओं की नई रणनीति चेहराविहीन आतंकवाद : दिलबाग सिंह

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं का चेहराविहीन आतंकवाद और उन्हें शिक्षित करना कश्मीर में एक चुनौती है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि सशस्त्र बल ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। पाकिस्तानी एजेंसियों की योजनाओं को विफल कर दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि जो कोई भी इस फेसलेस आतंकवाद का हिस्सा बनता है, वह लंबे समय तक अज्ञात या गुमनाम नहीं रहता है और उस दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह चेहराविहीन आतंकवाद (हाईब्रिड आतंकवाद) पाकिस्तानी एजेंसियों और उनके आकाओं द्वारा विशेष रूप से निर्दोष नागरिकों को मारने के लिए आविष्कार किया गया एक नया रणनीतिक कदम है। वे चाहते हैं कि पाप किया जाए, लेकिन पापी का पर्दाफाश नहीं होना चाहिए। अच्छी बात यह है, कि पापी के लिए गुमनाम रहने या पहचान छुपाने के लिए कोई जगह नहीं है।' उन्होंने चेतावनी देकर कहा, जो पापी इस फेसलेस आतंकवाद और भूमिगत मॉड्यूल का हिस्सा बन गए थे वे बेनकाब हो गए थे। बेगुनाहों की हत्या में शामिल लोगों से सख्ती से निपटा गया और उनमें से कई को ऑपरेशन में खत्म भी कर दिया गया। सिंह ने कहा कि आतंकवाद सभी को प्रभावित करता है और इसलिए इस पर ध्यान दिया जा रहा है। सेना इससे और सख्ती से निपटेगी। उन्होंने कहा, इस नई रणनीति का मुकाबला करने के लिए पुलिस बल पर्याप्त रूप से सुसज्जित है और अन्य सुरक्षा बल भी सभी सहयोग प्रदान कर रहे हैं।' मई और जून के पहले दो हफ्तों में नागरिकों, ऑफ-ड्यूटी पुलिसकर्मियों और अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों सहित कई लोगों की टारगेट बनाकर हत्या कर दी गई। इसके बाद सशस्त्र बलों ने आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया। एक के बाद एक मुठभेड़ों में कई आतंकियों को मार गिराया गया। आतंकवादियों के जमीनी कार्यकर्ता होने के संदेह में कई युवाओं से सुरक्षा बलों ने पूछताछ की। उन्हें हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। दिलबाग सिंह ने अनंतनाग जिले में महिला अधिकारियों के अधीन एक पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया जो दक्षिण कश्मीर रेंज के लिए होगा। सिंह ने कहा, पाकिस्तानी एजेंसियां यहां गंदगी फैलाना चाहती हैं, युवाओं और कश्मीर के समाज को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। वे सोशल मीडिया के जरिए ऐसा कर रहे हैं, जिससे कश्मीर को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। वे 16-17 साल के बच्चों के दिमाग से खेलते हैं, जिन्हें धर्म, संस्कृति या सामाजिक मानदंडों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पुलिस प्रमुख ने कहा कि सोशल मीडिया ने यहां 'युवाओं के करियर को नष्ट करने में एक बड़ी भूमिका निभाई है' और उनके जीवन से मृत्यु तक की यात्रा शुरू की है।

ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी: हिंदू-मुसलमान सभी चाहते कायम रहे काशी की गंगा-जमुनी तहजीब

वाराणसी। (एजेंसी)।

ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले में उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद काशी विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत कुलपति तिवारी ने कहा है कि कुछ लोग जानबूझकर सिर्फ लोकप्रियता पाने के लिए ज्ञानवापी मुद्दे को लेकर यहां से लेकर दिल्ली तक दौड़ रहे हैं। तिवारी ने कहा कि जब जिला स्तर पर मामला अदालत में चल ही रहा है तब यहां की अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले में कहा कि वह हिन्दू श्रद्धालुओं की ओर से दायर दीवानी मुकदमे की स्वीकार्यता के सिलसिले में ज्ञानवापी मस्जिद समिति की आपत्तियों पर वाराणसी जिला न्यायाधीश के निर्णय का इंतजार करेगा। शीर्ष अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर हिन्दू श्रद्धालुओं की ओर से दायर दीवानी मुकदमे को 20 मई को सीनियर सिविल जज के पास से वाराणसी के जिला न्यायाधीश को स्थानांतरित कर दिया था। इस मामले पर पीटीआई- से बातचीत में आम जनमानस से लेकर धर्मगुरुओं की अलग-अलग राय सामने आई है, हालांकि हिंदू-मुसलमान सभी चाहते हैं कि काशी की गंगा-जमुनी तहजीब कायम रहे। अंजुमन इंतजामिया कमेटी के सचिव मोहम्मद यासीन ने कहा, हम जिला अदालत के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और यदि फैसला हमारे पक्ष में नहीं आता तब हम उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। काशी के आम जनमानस ने भी स्थानीय अदालत में ही सुनवाई और फैसले को प्राथमिकता दी है।

वाराणसी के महमूरगंज निवासी स्वर्ण मुखर्जी ने स्थानीय अदालत में मामले के निपटारे पर जोर देते हुए कहा, यह मामला बनारस के हिन्दू-मुस्लिम भाइयों के बीच का है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। बाबा बटुक भैरव के महंत विजय पुरी ने कहा, ''बाबा विश्वनाथ ज्ञानवापी में स्वयं प्रकट हुए हैं, इसलिए हिंदुओं के लिए उस स्थान विशेष का महत्व है। उन्होंने जोर देकर कहा, काशी गंगा-जमुनी तहजीब को मानने वाली रही है, मुस्लिम भाइयों को अपने पूर्वजों की गलती को सुधारने का मौका मिला है, इससे उनको चूकना नहीं चाहिए। शिया जामा मस्जिद के प्रवक्ता और हजरत अली मस्जिद कमेटी के सचिव हाजी सैयद फरमान हैदर ने अदालत के फैसले के सम्मान करने का दावा करते हुए कहा, हमने तो बनारस के घाटों पर गंगा जल से वजू करके नमाज पढ़ी है। कभी किसी ने नहीं रोका लेकिन आज देश में नमाज पढ़ने पर बवाल हो जा रहा है। हैदर ने कहा कि लाठी पीटने से पानी अलग नहीं होगा, काशी हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल रही है। मंदिर मस्जिद के लिए देश का माहौल खराब नहीं करना चाहिए।

शहर ए मुफ़्ती मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने कहा, वरशिप एक्ट (उपासना स्थल अधिनियम) के तहत वैसे तो यह मुकदमा चलने योग्य ही नहीं है, फिर भी अदालत का जो फैसला आएगा वह हमें स्वीकार होगा। गौरतलब है कि हिंदू पक्ष से राखी सिंह तथा अन्य ने ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी में विग्रहों की सुरक्षा और नियमित पूजा पाठ के आदेश देने के आग्रह के संबंध में वाराणसी के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में याचिका दायर की थी जिसके

आदेश पर पिछले मई माह में ज्ञानवापी परिसर का वीडियोग्राफी सर्वे कराया गया था।

इस दौरान हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी मस्जिद के वजू खाने में शिवलिंग मिलने का दावा किया था। सर्वे की रिपोर्ट पिछली 19 मई को अदालत में पेश की गई थी।मुस्लिम पक्ष ने वीडियोग्राफी सर्वे पर यह कहते हुए आपत्ति की थी कि निचली अदालत का यह फैसला उपासना स्थल अधिनियम 1991 के प्रावधानों के खिलाफ है और इसी दलील के साथ उसने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया था। न्यायालय ने वीडियोग्राफी सर्वे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, लेकिन मामले को जिला अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। इसके बाद से इस मामले की सुनवाई जिला अदालत में चल रही है।

दक्षिणी ईरान में अचानक आई बाढ़ में कम से कम 17 लोगों की मौत, 55 लोगों को बचाया गया सुरक्षित

तेहरान। ईरान के सूखाग्रस्त दक्षिणी फार्स प्रांत में अचानक आई बाढ़ में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है। यहां के सरकारी टेलीविजन ने शनिवार को यह जानकारी दी। शहर के गवर्नर युसेफ कारेगर के अनुसार, इस्ताहबन शहर में भारी बारिश के कारण रूदबल नदी का पानी भर गया। कारेगर ने कहा कि बचाव दल ने बाढ़ में फंसे 55 लोगों को सुरक्षित बचाया था, लेकिन कम से कम छह लोग अब भी लापता हैं। ईरान के मेट्रोलॉजी विभाग ने देश भर में संभावित रूप से भारी मौसमी बारिश के बारे में चेतावनी दी थी जो जलवायु परिवर्तन की वजह से दशकों से सूखे का सामना कर रहा है। नदी के किनारों के पास इमारतों और सड़कों के निर्माण से अचानक बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है।

बैंकिंग सेक्टर में बढ़ रहा है चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का दखल, एचएसबीसी ने अपने यहां की सीसीपी कमेटी की स्थापना

किसी भी देश के लिए बैंक उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है। इसलिए तो बैंकिंग सिस्टम को देश की अर्थव्यवस्था के लिए रीढ़ की हड्डी माना जाता है। क्योंकि किसी भी देश में जितने पैसे सर्कुलेट होता है उनमें से ज्यादातर पैसे वो देश अपने सरकारी बैंकों में ही जमा रखता है। इतना ही नहीं अधिकांश देश के लोग भी अपनी जमा राशि बैंक में ही रखना पसंद करते हैं। क्योंकि बैंक में रखी गई राशी सुरक्षित होती है। लेकिन अगर मान लीजिए कोई बैंक अगर बंद हो जाए या फिर लोगों को पैसे लौटाने से मना कर दे तो क्या होगा। ऐसा ही कुछ चीन में इन दिनों देखने को मिल रहा है। इस वक्त चीन गंभीर बैंकिंग संकट से गुजर रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि कई बैंकों ने अपने ग्राहकों के पैसे निकालने पर रोक लगा दी है। ऐसे में हजारों लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। अब कई जगहों पर प्रदर्शन हिंसक हो गया है। लोगों का उग्र रूप देख सड़कों पर पुलिस और टैंक उतर गए हैं। पिछली तिमाही में चीन की जीडीपी ग्रोथ रेट 0.4 प्रतिशत रही है। यानी चीन में आर्थिक अस्थिरता बढ़ रही है और बैंकों के इस संकट ने चीन की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। बैड लोन की वजह से चीन के बैंक भी खस्ता हाल में हैं। जिस बड़ी रियल एस्टेट को लोन दिए, वो कम्पनी समय पर लोन नहीं लौटा पाई। वो कम्पनी समय पर लोन नहीं लौटा पाई। इस तरह चीन के ग्रामीण लोगों का पैसा बाजार में फंस गया। चीन में हर सफल रियल एस्टेट डेवलपर राष्ट्रपति शी जिनपिंग की चीनी कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीपीसी के कुछ ताकतवर लोगों से जुड़ा है। ये सब चीन सरकार की खराब नीतियों का ही परिणाम है।

गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के मौके पर गुरु नानक विलेज वे स्ट्रीट साइन का अनावरण

लंदन । पहले सिख गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के मौके पर ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा में सरे सिटी काउंसिल द्वारा क्लोवरडेल में स्मारक गुरु नानक विलेज वे स्ट्रीट साइन का अनावरण किया गया। शहर में सिख समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है। प्रोग्रेसिव इंटरकल्चरल कम्युनिटी सर्विसेज सोसाइटी (पीआईसीएस) के अनुरोध को मंजूरी देने वाले सरे सिटी काउंसिल के साथ शुक्रवार को 64 एवेन्यू और 175 स्ट्रीट के कोने पर साइन स्थापित किया गया। सड़क आगामी गुरु नानक विविधता गांव दीर्घकालिक देखभाल सुविधा तक पहुंच प्रदान करती है। पीआईसीएस के अध्यक्ष और सीईओ सतबीर सिंह चीमा ने बताया कि स्मारक वाले सड़क का नाम अंग्रेजी और पंजाबी दोनों में लिखा गया है। उन्होंने कहा कि पीआईसीएस एक गैर-लाभकारी समुदाय-आधारित संगठन है जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल सेवाओं और आवास कार्यक्रमों जैसी कई तरह की सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि क्लोवरडेल में स्मारक गुरु नानक विलेज वे स्ट्रीट साइन के अनावरण का जश्न मनाने के लिए सरे सिटी काउंसिल में पीआईसीएस सोसाइटी, निर्वाचित सरकारी अधिकारी, भारत के काउंसल जनरल (वैंकूवर) और समुदाय के सदस्य शामिल हुए थे। उत्साहित चीमा ने कहा, सरे की नगर पालिका में रहने वाले 104,720 से अधिक दक्षिण एशियाई लोगों के साथ गुरु नानक देव के नाम पर इस सड़क का नामकरण न केवल हमारे शहर की बहुसांस्कृतिक मोजेक, बल्कि समृद्ध पंजाबी विरासत को भी दर्शाता है। यह हमारे अल्पसंख्यकों, हमारी विविध संस्कृतियों, समुदायों का उत्सव है।卐 उन्होंने इस पहल पर उनके नेतृत्व के लिए मेयर डग मैक्कलम और सरे नगर परिषद का आभार व्यक्त किया।

अमेरिका के आयोवा में गोलीबारी में तीन लोग मारे गये

माकुओकेटा(अमेरिका)। अमेरिका में ईस्टर्न आयोवा के एक पार्क में शुक्रवार सुबह हुई गोलीबारी में तीन लोग मारे गये और संदिग्ध हमलावर की भी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। आयोवा अपराध जांच डिवीजन के विशेष प्रभारी एजेंट माइक क्राफ्फ्ल ने एक बयान में कहा कि माकुओकेटा केव्स स्टेट पार्क कैंपग्राउंड में सुबह साढ़े छह बजे गोलीबारी होने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। क्राफ्फ्ल ने कहा कि मौके पर पुलिस ने तीन लोगों को मृत पाया। मृतकों की पहचान उजागर नहीं की गई है। क्राफ्फ्ल ने कहा कि बाद में घटनास्थल पर नेब्रास्का के एक व्यक्ति का शव पाया गया जिसने खुद को गोली मारी थी। अधिकारियों ने इस व्यक्ति की पहचान 23 वर्षीय एंथनी शर्विन के रूप में की है।

उत्तर कोरिया के टीवी चैनलों-अखबारों पर से प्रतिबंध हटाएगा दक्षिण कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया अपने चिर प्रतिद्वंद्वी उत्तर कोरिया के साथ आपसी समझ बेहतर करने के प्रयासों के तहत उसके टेलीविजन, समाचारपत्रों और अन्य मीडिया माध्यमों पर से देश में लगा प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया के हालिया मिसाइल परीक्षण को लेकर दोनों देशों के बीच पैदा हुए तनाव के बावजूद दक्षिण कोरिया ने यह कदम उठाया है। दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति यून सुक यिओल के समक्ष शुक्रवार को पेश की गई नीतिगत रिपोर्ट में एकीकरण मंत्रालय ने कहा कि वह आपसी समझ को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत धीरे-धीरे उत्तर कोरिया के प्रसारकों, मीडिया और प्रकाशनों के लिए दरवाजे खोलेगा। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कोरिया उत्तर कोरिया को भी इसी तरह के कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश करेगा। मंत्रालय ने इस बारे में और विवरण देने से इनकार कर दिया।

अमेरिका में वयस्कों के बाद बच्चों के दिखाई दिए मंकीपॉक्स के लक्षण, चिंता का विषय

वाशिंगटन। देश-विदेश में मंकीपॉक्स तेजी से फैला रहा है। संक्रमण की चपेट में वयस्क ही नहीं, बच्चे भी आ रहे हैं। अमेरिका में पहली बार बच्चों में मंकीपॉक्स के संक्रमण पाए गए हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक कैलिफोर्निया में एक बच्चे और एक नवजात शिशु में मंकीपॉक्स के लक्षण मिले हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि देश में पहली बार बच्चों में मंकीपॉक्स का वायरस मिला है।

इससे पहले वयस्कों में ही मंकीपॉक्स का लक्षण मिला था। वहीं सीडीसी ने कहा कि दो मामले मिले हैं, जो कि एक-दूसरे से कनेक्टेडट नहीं है। दोनों बच्चे फिलहाल ठीक है, उनका इलाज किया जा रहा है। सीडीसी ने कहा कि मंकीपॉक्स एक-दूसके के संपर्क में आने से फैल रहा है। इस साल अब तक 60 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स के 14,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं, अफ्रीका में 5 मौतें हो चुकी हैं। सीडीसी प्रमुख ने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मंकीपॉक्स अब बच्चों को भी शिकार बना रहा है। अभी तक कहा जा रहा था, कि मंकीपॉक्स के प्रसार में यौन संबंधों बड़ी वजह थी, लेकिन अब यह तेजी से बच्चों में भी फैलने लगा है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में अभी तक 2,891 मंकीपॉक्स के मरीज सामने आए हैं, इसमें से 99 प्रतिशत पुरुषों में मंकीपॉक्स संक्रमण मिला है। जबकि कुछ महिलाएं और कुछ ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। व्हाइट हाउस के कोविड कॉर्डिनेटर डॉ.आशीष झा ने कहा कि सरकार ने मंकीपॉक्स वैक्सीन की 300,000 वैक्सीन वितरित की गई हैं। जबकि डेनमार्क से 786,000 वैक्सीन का शिपमेंट लाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क शहर में आधी से अधिक योग्य आबादी और वाशिंगटन डीसी में 70 प्रतिशत से अधिक योग्य आबादी को वैक्सीन की पहली डोज लगाने के लिए पर्याप्त खुराक हैं।

इस्तांबुल में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की अध्यक्षता में यूक्रेन और तुर्की के बीच अनाज समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद यूक्रेनी अवसंरचना मंत्री ऑलेक्ज़ेंडर कुब्राकोव और तुर्की के रक्षा मंत्री हुलुसी अकार हाथ मिलाते हुए। इस मौके पर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन भी मौजूद थे।

जापान ने वैश्विक तनाव बढ़ने की चेतावनी दी

तोक्यो। जापान ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध और चीन-ताइवान के बीच तनाव के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे बढ़ने की बात कही है। शुक्रवार को जारी वार्षिक रक्षा दस्तावेज में यह जानकारी दी गई है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत किए गए वार्षिक रक्षा श्वेत पत्र में सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए जापान की सैन्य क्षमता बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित किया गया है। किशिदा की सत्तारूढ़ पार्टी सैन्य बजट को आने वाले समय में दोगुना करना करना चाहती है। अगले कुछ महीने में जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की समीक्षा की जानी है, जिससे पहले यह रिपोर्ट जारी की गई है। लगभग 500 पृष्ठ की इस रिपोर्ट में चीन, रूस और उत्तर कोरिया की ओर से सबसे अधिक सुरक्षा चिंताएं पैदा होने की बात कही गई है। रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने रिपोर्ट में शामिल एक बयान में कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्रअंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है। रिपोर्ट में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन कहा गया है। साथ ही इसमें कहा गया है कि बलपूर्वक यथास्थिति में एकतरफा बदलाव का प्रभाव हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक फैल सकता है। रिपोर्ट में ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव का उल्लेख किया गया है। अमेरिका अब भी युद्धपोत और हथियार ताइवान भेज रहा है जबकि चीनी युद्धक विमान तेजी से ताइवान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं।

शहबाज शरीफ के बेटे हमजा फिर से चुने गए पंजाब के मुख्यमंत्री, सड़कों पर विरोध प्रदर्शन

लाहौर (पाकिस्तान)। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे हमजा शरीफ ने शनिवार को पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे एक दिन पहले नाटकीय घटनाक्रम के बीच वह महज तीन मतों के अंतर से इस पद पर पुनः निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष ने उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार के 10 अहम मतों को खारिज कर दिया था। पंजाब के गवर्नर बलीगुर रहमान ने हमजा (47) को शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण समारोह पंजाब में 'गवर्नर हाउस' में हुआ। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए मतदान हुआ। हमजा को चुनाव में विजेता घोषित किया गया। हालांकि, उनकी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के पास 17 जुलाई को हुए अहम उपचुनावों के बाद विधानसभा में बहुमत नहीं है।

विधानसभा उपाध्यक्ष दोस्त मोहम्मद माजरी ने संविधान के अनुच्छेद 63-ए का हवाला देते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (पीएमएल-क्यू) पार्टी के उम्मीदवार चौधरी परवेज इलाही के 10 मतों को खारिज कर दिया, जिसके बाद हमजा महज तीन मतों के अंतर से पंजाब के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर फिर से आसीन हो सके। पीएमएल-क्यू पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का सहयोगी दल है। पंजाब की 368 सदस्यीय विधानसभा में हमजा की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को 179 वोट मिले जबकि इलाही की पार्टी को 176 वोट मिले। इलाही की पीएमएल-क्यू के 10 मतों को इस आधार पर नहीं गिना गया कि उन्होंने अपने पार्टी के प्रमुख चौधरी शुजात हुसैन के आदेशों का उल्लंघन किया था। मजारी ने कहा कि पार्टी प्रमुख हुसैन ने पीएमएल-क्यू के सदस्यों को इलाही के बजाय हमजा को वोट देने का निर्देश दिया था। मजारी ने कहा, ''मैंने पीएमएल-क्यू के 10 मतों को खारिज करने का फैसला दिया क्योंकि उसके प्रमुख चौधरी शुजात हुसैन ने मुझे एक पत्र लिखकर कहा था कि उनकी पार्टी के विधायकों को पीटीआई-पीएमएलक्यू उम्मीदवार के लिए वोट नहीं करना चाहिए था। मैंने फोन पर शुजात से बात की और उन्होंने अपने पत्र में इसका जिक्र होने की पुष्टि की।'' उन्होंने बताया कि हमजा ने तीन मतों से पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद की कुर्सी फिर से हासिल कर ली।

बहरहाल, पीटीआई-पीएमएलक्यू के विधायकों ने उपाध्यक्ष के फैसले का विरोध किया। यह दूसरी बार है जब हमजा ने पंजाब के मुख्यमंत्री पद पर इलाही को हराया है। पिछली बार उन्हें 16 अप्रैल को जीत मिली थी लेकिन उन्हें शपथ दिलाने में कई दिनों की देरी हुई थी क्योंकि तत्कालीन गवर्नर उमर सरफराज चीमा ने उन्हें शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था। बाद में नेशनल असेंबली के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ ने लाहौर उच्च न्यायालय के निर्देशों पर 30 अप्रैल को उन्हें शपथ दिलायी थी। पीएमएल-क्यू के 10 सदस्यों के मतों को खारिज करने के मजारी के फैसले के बाद पीटीआई ने कहा कि वह इस निर्णय को चुनौती देने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी। इलाही ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय में इस फैसले को चुनौती देंगे क्योंकि उपाध्यक्ष ने अदालत के आदेश का उल्लंघन किया है। इससे पहले, पीटीआई के अध्यक्ष खान ने आगाह किया था कि अगर जनादेश को पलटने के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया गया तो देश में श्रीलंका जैसे हालात खड़े हो जाएंगे। वहीं, पीएमएल-एन नेता नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने कहा कि उनकी पार्टी ने शुक्रवार को जो किया वह खान की पार्टी को ''जैसे को तैसा'' जवाब है। मरियम ने ट्वीट किया, ''पीएमएल-एन उसके साथ हुए बर्ताव को भूली नहीं है। अब खेल के नियम सभी के लिए समान होंगे, नहीं तो पीएमएल-एन इसे बेहतर तरीके से खेलना जानती है।

चीन, पाकिस्तान ने आर्थिक गलियारे में दिलचस्पी रखने वाले अन्य देशों को भी दिया न्योता

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। चीन और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच बन रहे अरबों डॉलर के आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा बनने में दिलचस्पी रखने वाले दूसरे देशों को इसका न्योता देते हुए कहा है कि यह आपसी सहयोग का एक खुला एवं समावेशी मंच है। वर्ष 2013 में शुरू हुआ यह आर्थिक गलियारा पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनझियांग क्षेत्र में स्थित काशगर से जोड़ने वाला है। इसके जरिये दोनों देश ऊर्जा, परिवहन एवं औद्योगिक सहयोग करेंगे। सीपीईसी के अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं समन्वय संबंधी संयुक्त कार्य समूह की शुक्रवार को तीसरी बैठक वर्चुअल माध्यम से हुई। इसमें दोनों देशों ने आर्थिक गलियारे का हिस्सा बनने की दिलचस्पी रखने वाले अन्य देशों को भी शामिल होने का न्योता दिया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, विदेश सचिव सोहैल महमूद और चीन के सहायक विदेश मंत्री वू जियानझाओ ने इस कार्यसमूह की बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता की। इस दौरान सीपीईसी से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा किए जाने के अलावा साझा रूप से सहमत हुए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। बैठक में कहा गया कि चीन की महत्वाकांक्षी योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत शुरू की गई सीपीईसी परियोजना ने खासकर अफगानिस्तान के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संपर्क को सशक्त करने में नया मुकाम हासिल किया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों ही पक्षों ने एक खुले एवं समावेशी मंच के तौर पर सीपीईसी से लाभान्वित होने में दिलचस्पी रखने वाले तीसरे पक्षों का स्वागत किया।'' चीन और पाकिस्तान के बीच के इस आर्थिक गलियारे का भारत खुलकर विरोध करता रहा है। भारत इस गलियारे के पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरने के आधार पर इसका विरोध करता आ रहा है। पाकिस्तान के विदेश सचिव ने सीपीईसी में हुई प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती बहुत गहरी है और यह परियोजना दोनों देशों के बीच की गहराई तक पैठ वाली आपसी सद्भावना को दर्शाती है। हालांकि तमाम पश्चिमी विश्लेषकों का मानना है कि सीपीईसी दरअसल पाकिस्तान को चीन के आर्थिक नियंत्रण में लेने का एक जरिया है और आगे चलकर पाकिस्तान कर्ज के भारी बोझ तले दब सकता है।

चुनाव से पहले थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने आखिरी अविश्वास मत जीता, गठबंधन सरकार का मिला पूरा समर्थन

कोलंबो। (एजेंसी)।

बैंकॉक।अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले उम्मीद के अनुरूप थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुथ चान-ओचा ने शनिवार को संसद में अपना चौथा और अंतिम अविश्वास मत जीत लिया। प्रयुथ (68) और उनके 10 कैबिनेट सदस्यों को लेकर चार दिन तक हुई बहस के बाद मतदान हुआ। विपक्ष ने बढ़ते सरकारी ऋण और भ्रष्टाचार को रोकने में विफल रहने के लिए प्रयुथ की सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। संसद में मौजूदा गठबंधन सरकार के बहुमत की बदौलत सभी 10 कैबिनेट मंत्री भी बच गए। प्रयुथ को 256 वोट मिले, जबकि उनके विरोध में 206 वोट पड़े।

वहीं, नौ सांसद मतदान में गैरहाजिर रहे। मुख्य विपक्षी दल फेउ थाई पार्टी के प्रमुख चोलनन श्रीकाव ने कहा कि परिणाम निराशाजनक थे, क्योंकि ये जनता की भावना को नहीं दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि हम संसद में नहीं जीत सकते, लेकिन हम आम चुनाव में नहीं हारेंगे।'' सेवानिवृत्त जनरल प्रयुथ 2020 के बाद से तीन निंदा प्रस्तावों से बचने में सफल रहे हैं और संसदीय बहुमत होने के कारण उनकी गठबंधन सरकार बरकरार है। थाईलैंड के संसदीय इतिहास में किसी भी कैबिनेट मंत्री को कभी अविश्वास प्रस्ताव के जरिये नहीं हटाया गया है।

प्रधानमंत्री चुना गया तो पहले दिन से ब्रिटेन को संकट से निपटने के लिए काम शुरू कर देंगे: ऋषि सुनक

लंदन (एजेंसी)।

ऋषि सुनक ने ब्रिटेन की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के चुनाव में जीत के लिए सप्ताहांत गहन अभियान की शुरुआत की। उन्होंने शनिवार को वादा किया कि अगर वह प्रधानमंत्री चुने जाते हैं तो पहले दिन से ही ब्रिटेन के सकंट से निपटने के लिए काम शुरू कर देंगे।ब्रिटेन के 42 वर्षीय पूर्व चांसलर ने 'द टाइम्स' को दिए गए साक्षात्कार में कहा कि जो चल रहा है उसे चलने देने का रुख देश के सामने मौजूद गंभीर आर्थिक चुनौती से निपटने के लिए कारगर नहीं होगा। उन्होंने कहा, '' सरकार के भीतर रहने की वजह से मेरा मानना है कि जो व्यवस्था चल रही है वह काम नहीं कर रही, जैसा की उसे करना चाहिए। मैं जिन चुनौतियों की बात कर रहा हूं वे कल्पना नहीं है...।''

सुनक ने कहा, ''वे चुनौतियां हमारे सामने आ रही है और जैसा चल रहा, उसे चलने दें की मानसिकता उनसे मुकाबला नहीं कर सकती। इसलिए , कार्यालय में (प्रधानमंत्री के) दाखिल होने के पहले दिन से हम संकट से निपटने के प्रयास कर देंगे।'' वर्ष 1980 के दौरान ब्रिटेन की प्रधानमंत्री रहीं मार्गरेट थैचर के गृह नगर पूर्वी इंग्लैंड के ग्रैंथम में होने वाली बहस से पहले कंजर्वेटिव पार्टी के दोनों नेता (प्रधानमंत्री पद के दावेदार) सुनक और उनकी प्रतिद्वंद्वी लिज ट्रस अपने पारंपरिक मतदाताओं को पक्ष में करने के लिए थैचर को अपना आदर्श बता रहे हैं। ब्रिटेन के साउथम्पटन में जन्मे भारतीय मूल के सुनक ने रेखांकित किया कि कैसे उनके परिवार के फार्मेसी कारोबार को कंजर्वेटिव मूल्यों ने दिशा दी। सुनक ने कहा कि महंगाई को राष्ट्रीय आपात स्थिति की तरह निपटने के साथ वह धन के बेहतर मूल्य को लेकर ध्यान केंद्रित करेंगे, करदाताओं से प्राप्त धन, उनसे वित्तपोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) पर जोर देंगे।

चीनी महिलाएं अपना अंडाणु फ्रीज़ क्यों करवा रही हैं? अस्पताल मांग रहा शादी का प्रमाणपत्र

ताइपे (ताइवान)। (एजेंसी)।

चीन की एक अदालत ने बीजिंग की उस अविवाहित महिला के अनुरोध को ठुकरा दिया है जो अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखवाना चाहती थी। चीन के इस बहुचर्चित मामले में बीजिंग में चाओयांग इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने एक फैसले में कहा कि अस्पताल ने महिला के अंडाणुओं को सुरक्षित रखने से इनकार करके उसके अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया। टेरेसा शु ने तीन साल पहले यह मुकदमा दायर किया था, जिस पर शुक्रवार को अदालत का फैसला आया। चीन में कानून अविवाहित लोगों को प्रजनन संबंधी उपचार देने जैसी सेवाओं से प्रत्यक्ष रूप से नहीं रोकते हैं।

हालांकि, अस्पताल और अन्य संस्थान ऐसे लोगों को शादी का प्रमाणपत्र दिखाने के लिए कहते हैं। यह चर्चित मामला 2018 का है जब 30 वर्षीय शु कैपिटल मेडिकल यूनिवर्सिटी में बीजिंग के सरकारी अस्पताल में गयी थी और वहां अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखने के लिए कहा था। शुरुआती जांच के बाद उसे बताया गया कि उसके अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि वह शादी का प्रमाणपत्र नहीं दिखा सकी। उसने कहा कि चिकित्सकों ने उससे बच्चा करने का अनुरोध किया था जबकि वह युवा थी।

हालांकि, अविवाहित शु अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखवाना चाहती थी ताकि उसके पास बाद में कभी बच्चा करने का विकल्प हो। शु ने अपने वीचैट अकाउंट पर इस खबर की घोषणा करते हुए एक संक्षिप्त वीडियो बयान में कहा, ''मुझे लगता है कि मुकदमे में हारअविवाहित महिलाओं के प्रजनन के अधिकारों पर हमला नहीं है, हो सकता है कि अस्थायी झटका हो।'' उल्लेखनीय है कि शु के मामले ने चीन में घरेलू मीडिया में काफी सुर्खियां बटोरी थी जब उसने 2019 में अदालत में मुकदमा दायर किया था। स्थानीय मीडिया ने कहा था कि यह देश में अपनी तरह का पहला मामला है। अदालत के फैसले के अनुसार, अस्पताल ने दलील दी कि अंडाणुओं को सुरक्षित कराने से स्वास्थ्य को कुछ खतरे हैं। साथ ही उसने कहा कि गर्भावस्था में देर करने से कुछ ''समस्याएं'' होंगी जैसे कि गर्भावस्था के कारण मां को खतरा तथा अगर माता-पिता एवं उनके बच्चे के बीच आयु में अधिक अंतर होगा तो इससे ''मनोवैज्ञानिक और सामाजिक समस्याएं'' खड़ी होंगी। अस्पताल ने यह भी कहा कि अंडाणु सुरक्षित कराने की सेवा केवल उन महिलाओं के लिए उपलब्ध है जो प्राकृतिक तरीके से गर्भवती नहीं हो सकती और स्वस्थ नहीं हैं। वहीं, शु ने कहा कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेंगी। उसने कहा, ''ऐसा दिन जरूर आएगा जब हमें अपने शरीर पर अधिकार वापस मिल जाएगा।

सुविचार — शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पता है। शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है। - चाणक्य

संपादकीय

परिणाम से प्रेरणा

कुछ इंतजार के बाद शुक्रवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पहले 12वीं और फिर 10वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। महामारी के कम से कम तीन चरम दौर के बाद आए ये नतीजे बहुत आशा जगाते हैं। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को कामयाबी मिली है और इससे अन्य निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी बेहतर पढ़ाई व तैयारी के लिए प्रेरणा मिलेगी। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी 92.71 प्रतिशत, जबकि 10वीं पास करने वाले 94.40 प्रतिशत हैं। यह अच्छा है कि इस बार भी टॉपर घोषित नहीं किए गए हैं। टॉपर की सूची से समग्रता में लाभ कम और नुकसान ज्यादा होता है। किसी एक परीक्षा में नाकाम रहने वाले या कम अंक लाने वाले विद्यार्थियों की मनःस्थिति का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए और यह काम सीबीएसई अच्छी तरह से करने लगा है। कोई भी परीक्षा परिणाम अंतिम नहीं होता। एकाधिक परीक्षाओं में नाकाम हुए विद्यार्थी भी आगे चलकर कामयाब हस्तियों में शुमार हुए हैं। कोई भी परीक्षा परिणाम एक प्रेरणा या पड़ाव है, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का प्रदर्शन अच्छा हो सके। कमियों से सीखा जा सके।कई बार 10वीं में कम अंक लाने वाले 12वीं में बहुत अंक लाते हैं और कई 12वीं में कम अंक लाने वाले कॉलेज में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर गुजरते हैं। महामारी से प्रभावित पढ़ाई के बावजूद सीबीएसई कक्षा 10 में 64,908 या 3.10 प्रतिशत विद्यार्थियों को 95 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक मिले हैं। कुल 2,36,993 या 11.32 प्रतिशत विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक मिलना भी बहुत उत्साहजनक है। खास बात यह है कि दक्षिण भारत के विद्यार्थी और खासकर त्रिवेंद्रम क्षेत्र के विद्यार्थियों का प्रदर्शन 10वीं और 12वीं, दोनों में बहुत शानदार रहा है। 10वीं में दिल्ली क्षेत्र के परिणाम निराश करते हैं, इस क्षेत्र में सफलता प्रतिशत 87 भी नहीं है, जबकि 96 प्रतिशत से ज्यादा के साथ नोएडा, 94 प्रतिशत से ज्यादा परिणाम के साथ प्रयागराज क्षेत्र की कामयाबी प्रशंसनीय है। राष्ट्रीय राजधानी में परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास करने पड़ेंगे। बच्चों को केवल सुविधा दे देने से अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र पर भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अब परंपरा-सी हो गई है, लड़कियों का उत्तीर्णता प्रतिशत हमेशा ही ज्यादा रह रहा है। लड़कियां जिस हठ और विशिष्टता के साथ स्कूल पास कर रही हैं, उसी उत्साह के साथ उन्हें उच्च शिक्षा में भी झंडे गाड़ने चाहिए। परीक्षा परिणामों का अध्ययन करते हुए यह देखना भी जरूरी है कि किन स्कूलों के विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्या बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों का ही विस्तार नहीं करना चाहिए? क्या बेहतर पढ़ाने वाले स्कूलों के ढांचे या खासियत का व्यापक प्रचार नहीं करना चाहिए? ध्यान रहे, जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। इनकी बागडोर सरकार के ही हाथों में है, जहां बच्चों को हर तरह की सुविधा व गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल रही है, तो नतीजे दुनिया के सामने हैं। केंद्रीय विद्यालय भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। निजी स्कूलों का प्रदर्शन भी बहुत अच्छा है, लेकिन उनमें देखना चाहिए कि किन स्कूलों का प्रदर्शन सुधर नहीं रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन कर रहे स्कूलों को क्यों चलना चाहिए? हमारी सरकारों को अन्य सरकारी और सरकार द्वारा अनुदानित स्कूलों के कमतर परिणामों पर भी अवश्य गौर करना चाहिए।

आज के कार्टुन

आर्थिक जरूरतें

जग्गी वासुदेव/

सामान्य रूप से, लोग आर्थिक जरूरतों के लिए काम करते हैं। अगर आप अपने काम को, चाहे वो जो भी हो, पूरे जुनून के साथ करते हैं, तो अलग बात है, मगर अधिकतर लोग आर्थिक लाभ के लिए ही काम करते हैं। तो अगर किसी परिवार में आर्थिक कारणों से महिलाएं बाहर जा कर काम करती हैं या घर से ही आर्थिक गतिविधि में लगी हैं, तो ये बिल्कुल ठीक है। प्रश्न यह नहीं है कि आप को काम करना चाहिए या नहीं, प्रश्न यह है कि आप को उसकी जरूरत है या नहीं? आवश्यकता आर्थिक के बजाय सामाजिक हो जाती है, तो मुझे नहीं लगता कि हर एक स्त्री को बाहर जा कर काम करना जरूरी है। दुनिया में इतनी अधिक तकनीकें विकसित करने के पीछे का विचार यही है कि हम ऐसी दुनिया बनाएं जहां न पुरु षों को और न ही महिलाओं को काम करना पड़े। लेकिन बहुत से लोग इसलिए काम करते हैं कि उनके लिए काम करना मजबूरी है, काम किए बिना वे नहीं रह सकते। उन्हें पता ही नहीं होता कि वे अपने साथ और क्या करें। यह होने का एक बहुत दुर्भाग्यपूर्ण तरीका है। महिलाओं की बात करें तो पिछले 40-50 वर्षों से यह बात जोर पकड़ती जा रही है कि हर स्त्री को काम करना चाहिए। यह इसलिए हुआ है कि स्त्रियों की पुरु षों पर आर्थिक निर्भरता के कारण कुछ हद तक पुरुषों ने उनका शोषण किया है। इसकी प्रतिक्रिया के तौर पर महिलाओं को लगा कि काम पर जाना और पैसा कमाना ही इसका रास्ता है। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ ही परिवारों में इस तरह का शोषण होता है, बहुत सारे परिवारों के लिए यह सच नहीं है। यह विचार कि आप एक सच्ची स्त्री तभी हैं जब आप पैसा कमाती हों, पुरु षों के दिमाग से उधार लिया गया है। स्त्री स्वतंत्रता के नाम पर महिलाओं ने पुरु षों के मूल्यों को अपना लिया है और यह वास्तव में गुलामी है। अगर वह स्वतंत्र होना चाहती है तो उसे पुरु षों के मूल्यों को नहीं अपनाना चाहिए। देखना चाहिए कि वह स्त्रीत्व को कैसे फूल की तरह खिलाए इस धरती पर उसके अस्तित्व से कैसे खुशबू फैले? यह कुछ ऐसा है जो सिर्फ स्त्री ही कर सकती है। मेरे व्यक्तिगत अनुभव में मेरी मां कभी काम करने बाहर नहीं गई और मेरे पिता ने भी यह कभी नहीं सोचा होगा कि वो काम करेंगी। लेकिन क्या वो कोई बेकार व्यक्ति थी? बिल्कुल नहीं।

श्रीलंका को उबारने में भारत की निर्णायक भूमिका

जी. पार्थसारथी

श्रीलंका की हालिया घटनाओं से नागरिक बहुत गुस्से में हैं, कारण है बाकायदा चुनी हुई सरकार की विफलता, जिसमें देश के सर्वोच्च पदों पर प्रधानमंत्री के पद पर पितामह रूपी बड़ा भाई महिंदा राजपक्षे तो राष्ट्रपति के तौर पर अनुज गोटाबाया राजपक्षे थे। देश में हफ्तों तक चले तल्ख अंदरूनी संघर्षों और प्रदर्शन की वजह से, जो कि श्रीलंकाई लोगों का सरकार से तंग आकर विद्रोह पर उतारू होने का परिणाम था, प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को पद छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को भी लोगों की बढ़ती रौद्रता और देशव्यापी बंद के कारण देश छोड़कर भागना पड़ा। राजपक्षे परिवार के खिलाफ जनता का रोष आगे प्रचंड हुआ जब भारी भीड़ ने राष्ट्रपति निवास में घुसकर कब्जा कर लिया। इसके अलावा भी लाखों लोग सड़कों पर राजपक्षे वंश के खिलाफ अपने प्रदर्शन जारी रखे हुए कह रहे थे कि इस खानदान से जुड़े एक भी सदस्य को किसी सार्वजनिक पद पर होने की अनुमति नहीं है। बड़े भाई महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के तुरंत बाद छोटे भाई राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने पूर्व प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे, जो कि एक मंजे हुए राजनेता हैं और पांच मर्तबा प्रधानमंत्री रहे हैं, उन्हें बड़े भाई की जगह नियुक्त किया। विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री बनाने के पीछे मुख्य कारण उनकी साख है, यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में भी उन्हें एक कुशल वित्तीय प्रशासनिक व्यक्ति माना जाता है। लेकिन जल्द ही यह साफ हो गया कि सरकार में राजपक्षे परिवार के दिन बचे-खुचे हैं। वित्तीय स्थिति बिगड़ने के साथ श्रीलंका में जिंदगी असहनीय बनने लगी। रोजमर्रा की जीवनचर्या के लिए जरूरी ईंधन उपलब्ध न होने, खासकर सार्वजनिक परिवहन के लिए, बिजली आपूर्ति अनिश्चित , खाद्य वस्तुओं की बेतरह तंगी और महंगाई से लोगों में व्यापक रोष फैलता चला गया। यह और भड़क गया जब सरकार ने दिवालिया होने की घोषणा कर दी और मूलभूत जरूरतें पूरी करने में हाथ खड़े कर दिए। कोविड महामारी ने पहले ही देश का पर्यटन उद्योग और उससे मिलने वाला कराधान ठप कर रखा था। राजपक्षे सरकार को चीन से भी झटका मिला, जब उसने श्रीलंका के गंभीर आर्थिक संकट के बारे में अंतर्राष्ट्रीय संस्थान जैसे कि विश्व बैंक और आईएमए की तरह मदद का आश्वासन तो दिया, लेकिन हासिल कुछ नहीं हुआ। राजपक्षे प्रशासन के लिए गंभीर समस्याएं कोविड महामारी के उद्भव से पैदा होने लगी थीं। पर्यटकों की आमद लगभग शून्य हो गई और पर्यटन उद्योग में बेरोजगारी बढ़ने लगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने गंभीर तकनीकी पहलुओं पर गहन विचार किए बिना देश में रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगा दिया। लिहाजा कृषि क्षेत्र, खासकर चाय उद्योग, को करारा झटका लगा। चाय निर्यात गिरना लाजिमी था। यह संकेत भी हैं कि अपने उद्देश्य पूरे होते न पाकर चीन भन्ना गया, जब श्रीलंका सरकार ने पिछले साल के फरवरी माह में कोलम्बो बंदरगाह के पश्चिमी कंटेनर टर्मिनल का विकास कार्य भारत और जापान को देने की घोषणा की। इस निर्णय ने कोलम्बो बंदरगाह पर एकछत्र नियंत्रण बनाने की चीन की हसरत को चकनाचूर कर दिया। आगे, इसी साल 29 मार्च को विदेश मंत्री एस. जयशंकर की उपस्थिति में जाफना तट से कुछ दूर श्रीलंका के एक टापू पर बनने वाली तीन हाईब्रिड बिजली परियोजनाओं में भारतीय निवेश को लेकर समझौता हुआ। पहले यह काम पिछले साल चीन को सौंपा गया था, लेकिन यह टापू तमिलनाडु के तट से एकदम पास होने के कारण भारत द्वारा उठाई सुरक्षा चिंताओं के कारण फैसला वापस लिया। ये घटनाक्रम भारत और जापान के बीच तीसरे मुल्कों, जैसे कि श्रीलंका में आपसी सहयोग करने की सहमति बनने के बाद बने, ताकि हिंद महासागर में सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति रखने वाले देशों में नौवहनीय नियंत्रण केवल चीन के हाथ में न होने पाए। विश्व ने भी श्रीलंका में चीन की बहुचर्चित तथाकथित 'सहायता' परियोजनाओं का संज्ञान लिया, जब उसने दक्षिणी श्रीलंका में एक हवाई अड्डा और हम्बनतोता बंदरगाह विकसित करने के लिए कड़ी शर्तों पर कर्ज दिया। हम्बनतोता बंदरगाह पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के चुनावी क्षेत्र में पड़ता है। बंदरगाह और हवाई अड्डे के लिए लिया ऋण न चुका पाने की एवज़ में श्रीलंका को हम्बनतोता बंदरगाह चीनी निवेश कंपनी को एक बिलियन डॉलर के बदले 99 साल के पट्टे पर सौंपना पड़ा। एक अन्य मुद्दा जो दुनिया के लिए ध्यानाकर्षण का केंद्र बना वह यह कि किस वजह के चलते स्व-घोषित अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी, जो खुद को प्रजातांत्रिक मूल्यों के उच्च नैतिकता के पटल पर बताती है, उसने एशिया में विधिवत रूप से चलने वाले असली लोकतंत्रों में एक श्रीलंका को आर्थिक संकट और मुश्किलों से उबारने के लिए धेला तक नहीं दिया? ठीक उस वक्त जब रनिल विक्रमसिंघे बतौर राष्ट्रपति चुनाव में खड़े होने को थे, तब सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजना पार्टी ने आखिरी क्षण पर हैरानीजनक फैसला लेते हुए पूर्व पत्रकार दुल्लास अलाहाप्पेरूमा को प्रत्याशी बना डाला। जहां रनिल विक्रमसिंघे अपने प्रत्याशी दावे लिए कुल डाली गई 219 वोटों में 134 का अनुमोदन लेने में सफल रहे वहीं दुल्लास अलाहाप्पेरूमा को 82 मत हासिल हुए थे। साफ था कि सत्ताधारी सरकार के सदस्यों को भी यकीन था कि छह मौकों पर प्रधानमंत्री पद संभालने वाले विक्रमसिंघे विदेशी सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों जैसे कि विश्व बैंक, आईएमएफ से बरतने लिए सबसे उपयुक्त रहेंगे। लेकिन फिलहाल लगता है कि श्रीलंका की जनता हर उस व्यक्ति से टक्कर लेने पर आमादा है जो मौजूदा सरकार से जुड़ा है। कुछ हफ्ते पहले गुस्साई भीड़ ने प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के निजी आवास पर धावा बोलकर उसे जला डाला। उसके बाद यह संकेत भी दिए कि वे विक्रमसिंघे को अपदस्थ करने के लिए इसकी पुनरावृत्ति करने को तैयार है। फिलवक्त, विक्रमसिंघे की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अपने देश के गुस्साए और मोहभंग हुए नागरिकों से कैसे बरता जाए। भारत को इस तथ्य से संतोष है कि उसकी नीतियों को श्रीलंका में सराहा गया है। श्रीलंका से रिश्ते सुधारने की प्रधानमंत्री मोदी की नीयत की प्रशंसा हो रही है। मौजूदा विदेश मंत्री जयशंकर 1980 के दशक में श्रीलंका में नियुक्त थे, उस वक्त भारत की नीयत पर श्रीलंकाइयों को शंका थी, इसलिए उन्हें उनके पूर्वाभासों और शंकाओं का भली-भांति भान है। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले ने चुपचाप काम करते हुए श्रीलंकाइयों का विश्वास और इज्जत अर्जित की है। भारत न केवल श्रीलंका में अपने मित्रों से संपर्क कायम रखे बल्कि विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक जैसे अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान वालों से भी ताकि आर्थिक संकट से उबरने में श्रीलंका के प्रयास सफल हो पाएं। अपने समय में श्रीलंका के आतिशी और लोकप्रिय बाएं हाथ के बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने हाल ही में कहा, 'भारत, संकट की शुरुआत से ही बहुत मददगार रहा है और हमें सहायता दी है। हम शुक्रगुजार हैं। श्रीलंका में भारत बड़ी भूमिका अदा कर रहा है।'

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

राष्ट्रपति एक वर्ग नहीं पूरे देश का गौरव हैं

(लेखक-भूपेन्द्र गुप्ता)

देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमू का चुनाव कई तरह से चर्चा में बना हुआ है। पहले तो एन.डी.ए. ने उन्हें एक आदिवासी उम्मीदवार के रूप में बहु प्रचारित करने की रणनीति बनाई जबकि पूर्व में भी पी.ए. संगमा और अल्फ्रेड स्वेल आदिवासी समाज से राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ चुके थे। सामान्यतः राष्ट्रपति का पद उनके व्यक्तित्व, समाज में उनके योगदान और उनकी निर्विवाद सेवाओं को लेकर जाने जाते हैं ।जाति के आधार पर कभी भी न तो राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को प्रचारित किया गया ना ही इस आधार पर उन्हें महिमामंडित करने की कोशिश की गई । वे देश के संविधान के सबसे बड़े रक्षक के रूप में ही चुने जाते हैं। देश तो हर जाति, हर धर्म और हर समाज का है, इसलिये वे भारत के हर नागरिक के पालक के रूप में ही जाने जाते हैं ।अगर कोई राजनीतिक दल ऐसे पदों को एक जाति की सीमाओं में बांधने की चेष्टा करते हैं तो क्या इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा को क्षति पहुंचाना नहीं माना जाना चाहिए? क्या हमने बाबू राजेंद्र प्रसाद को इसलिए राष्ट्रपति चुना कि वे कायस्थ थे या के. आर. नारायणन दलित, एपीजे अब्दुल कलाम अल्पसंख्यक या प्रणव मुखर्जी ब्राह्मण थे, शायद नहीं। यह सब अपने अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ व्यक्ति थे। देश के प्रति इनकी सेवाएं उत्कृष्ट थी । इन्हीं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए हमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी याद करना चाहिए ना कि उनके जाति वर्ग के कारण ।वे अब एक वर्ग की नहीं बल्कि पूरे भारत का गौरव हैं । देश में विभिन्न अवसरों पर हुए राष्ट्रपति पद के हर चुनाव किसी न किसी कारण से चर्चित रहे है। 1969 का चुनाव त्रिकोणी होने के कारण सबसे कम मतों से जीतने वाला चुनाव बना इसमें इंदिरा गांधी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में वीवी गिरी को 48 प्रतिशत वोट मिले थे और वह अपने निकटतम प्रतिद्वंदी नीलम संजीव रेड्डी से लगभग 90 हजार मतों से ही चुनाव जीत सके थे। यह पहला चुनाव था जब अंतरात्मा की आवाज पर वोट डालने का आव्हान किया गया था और एक श्रमिक नेता वी वी गिरी राष्ट्रपति चुने गये। देश में सर्वाधिक मतों से चुनाव जीतने वाले राष्ट्रपति के रूप में के.आर. नारायणन का चुनाव सबसे चर्चित रहा है। इसमें नारायणन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी टी.एन. सेशन को लगभग 9 लाख 5 हजार मतों से परास्त किया था ।मत प्रतिशत के हिसाब से बाबू राजेंद्र प्रसाद एक मात्र राष्ट्रपति रहे जिन्हें कुल मतों का 99 प्रतिशत मत प्राप्त हुए ,दूसरे नंबर पर एस. राधाकृष्णन जिन्हें 98 प्रतिशत, के.आर. नारायणन जिन्हें 95 प्रतिशत और एपीजे अब्दुल कलाम जिन्हें 90 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे । अगर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा बनाये गये एनडीए उम्मीदवारों के मतों की तुलना करें तो श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को अपने ही पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति कोविद के मुकाबले 2 प्रतिशत कम वोट प्राप्त हुए हैं। श्री कोविंद को कुल मतों का 66 प्रतिशत जबकि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को 64 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव को एक और दृष्टि से चर्चित बनाने की चेष्टा की है वह है प्रतिपक्ष की क्रास वोटिंग को लेकर । जबकि राष्ट्रपति पद के कई चुनाव में क्रास वोटिंग होती रही है। स्वयं भारतीय जनता पार्टी शिवसेना और अन्य दल भी समय-समय पर क्रास वोटिंग कर चुके हैं। श्रीमती पाटिल के चुनाव में शिवसेना ने गठबंधन की सीमाओं से बाहर आकर पाटिल के पक्ष में मतदान किया था। हालांकि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेता भैरों सिंह शेखावत चुनाव लड़ रहे थे लेकिन इसके बावजूद गुजरात में 5 विधायकों ने प्रतिभा पाटिल के पक्ष में क्रास वोटिंग की थी। इसी तरह 2012 में जब प्रणव मुखर्जी के विरुद्ध पी.ए. संगमा एनडीए के उम्मीदवार थे तब कर्नाटक में 14 विधायकों ने मुखर्जी के पक्ष में क्रास वोटिंग की थी। इसी तरह 2017 में मीरा कुमार ने श्री कोविद के विरुद्ध प्रतिपक्ष यूपीए के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में भी एनडीए के उम्मीदवार कोविद के विरुद्ध गुजरात के एक, गोवा के 3 और राजस्थान के 6 विधायकों ने मीरा कुमार के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी। इसी तरह 2002 में एपीजे अब्दुल कलाम सर्व सम्मत उम्मीदवार के रूप में सामने आये थे किंतु वामपंथी पार्टियों ने क्रांतिकारी और आजाद हिंद फौज की महिला कमांडर लक्ष्मी सहगल को उनके विरुद्ध उतार दिया था।

इस चुनाव में मध्यप्रदेश के 11 मत रद्द हुये थे और 2 मत क्रास वोट हुये थे ।चूंकि राष्ट्रपति पद का चुनाव गुप्त मतदान के माध्यम से किया जाता है एवं इस चुनाव में कोई भी दल व्हिप जारी नहीं करता है इसलिए क्रास वोटिंग का मामला पार्टी अनुशासन के दायरे में नहीं आता है । ऐसा इसलिए भी सोचा गया होगा ताकि राष्ट्रपति पद का चुनाव निर्विवाद रहे और उसे पार्टी की सीमाओं में ना बांधा जाए। 1977 का राष्ट्रपति पद का चुनाव भी कम चर्चित नहीं रहा यह चुनाव तत्कालीन राष्ट्रपति जाकिर हुसैन की मृत्यू के कारण बचे हुए कार्यकाल के लिये हुआ था। हालांकि यह पूर्णकालिक चुनाव तो नहीं था किंतु इस चुनाव में 37 उम्मीदवारों ने अपने पर्चे दाखिल किए थे और 36 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द हो जाने के कारण नीलम संजीव रेड्डी निर्विरोध राष्ट्रपति के रूप में चुने गए ।वे देश के ऐसे एकमात्र राष्ट्रपति थे। इसी तरह बाबू राजेंद्र प्रसाद दो बार राष्ट्रपति पद को सुशोभित करने करने वाले एकमात्र राष्ट्रपति रहे। महामहिम द्रोपदी मुरमू अब देश की शोभा हैं,उनके संघर्ष और जिजीविशा को याद रखने का यह समय है न कि उनकी जाति को।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

सू-दोकू नवताल -2172

		4		6	5	7		
7			3	2			5	
						6	4	
	8	9		5	1	2	7	6
5	1	6	8	7		4	9	
	9	3						
	7			1	8			9
		8	7	3		1		

सू-दोकू -2171 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2172

1		■	2		3	■	4		5
	■	6		■		■		■	
■	7			8	■	9		■	
10	■		■		■		■	11	
12			■	13		■	14	■	
	■	■	15			16		17	
■	18	19	■	20			■		■
21	■	22			■	23		■	24
25			■	■	26		■	27	
	■	■	28		■	29		■	

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा कपूर अभिनीत फिल्म-2
2. 'दिल का पंक्षी बोले कुकू कुकू' गीत वाली फिल्म-3
4. विनोद खन्ना, अक्षय कुमार दीया मिर्जा अभिनीत फिल्म-3
6. 'तूने अगर प्यार से देखा नहीं' गीत वाली संजय कपूर अभिनीत फिल्म-2
7. 'कसम से तेरी आंखें' गीतवाली फिल्म-4
9. बॉबी देओल, लारा दत्ता, गुल पनाग अभिनीत फिल्म-2
11. 'याद आती है मगर आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
12. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
13. द्विविज काक, रूपा दत्ता की 'तुम से दिल क्या लगा लिया' गीत वाली फिल्म-2
15. कुमार गौरव, माधुरी अभिनीत फिल्म-2
16. 'सर से सरक गई तेरी चुनरी' गीत वाली फिल्म-4
18. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया अभिनीत फिल्म-2
20. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म-3
22. अक्षय, रवीना अभिनीत फिल्म-3
23. ऋषि कपूर अभिनीत 'मैं देर करता नहीं' गीत वाली फिल्म-2
25. गणेश यादव, राजन कपूर, ईशा कोप्पिकर अभिनीत फिल्म-3
26. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-2
27. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
28. आफताब शिवदासानी,सेलिना जेटली अमृता अरोड़ा अभिनीत फिल्म-2
29. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. विनोद खन्ना, रणदीप हूडा, तनुश्री दत्ता सीमा बिस्वास अभिनीत एक फिल्म-2
2. 'बस एक जरा कहा तुम मानो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली अजय देवगन की फिल्म-2
4. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' संजय दत्त अभिनीत फिल्म-3
5. अमिताभ, अक्षय कुमार, रिमि सेन की फिल्म-3,3
6. 'मेरे संग संग आया तेरी यादों का मेला' गीत वाली धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म-4
8. 'कहीं दीप जले कहीं दिल' गीतवाली फिल्म-2,2,2
9. अक्षय कुमार, ट्विंकल खन्ना राखी मल्होत्रा अभिनीत फिल्म-2
10. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
14. 'मुझे नींद न आए मुझे चैन न आए' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हमें तो लूट लिया मिल के हुस्न वालों ने' गीत वाली फिल्म-2,3
17. 'धक धक करने लगा' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-3
21. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
24. शाहिद कपूर, अमृता राव अभिनीत फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 2171

बॉ	बी	■	बा	■	फा	गु	न	■	सा
र्ड	■	ते	जा	ब	■	ड्डी	■	क्रो	ध
र	वि	■	र	च	ना	■	कै	■	ना
■	दा	ग	■	प	■	जा	न	म	■
भा	ई	■	ध	न	वा	न	■	म	र्द
भी	■	क	र्म	■	सु	■	दा	ता	■
■	गै	■	वी	रू	■	सौ	दा	■	दो
आ	र	पा	र	■	■	दा	■	म	स्त
वा	■	कि	■	चि	रा	ग	■	हि	■
ग	म	जा	ने	■	■	र	ह	मा	न

ये दोस्ती है कमाल की!

बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पैंजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अठखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पैंजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।

थेंबा का साथी एल्बर्ट

मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी

शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला।

जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

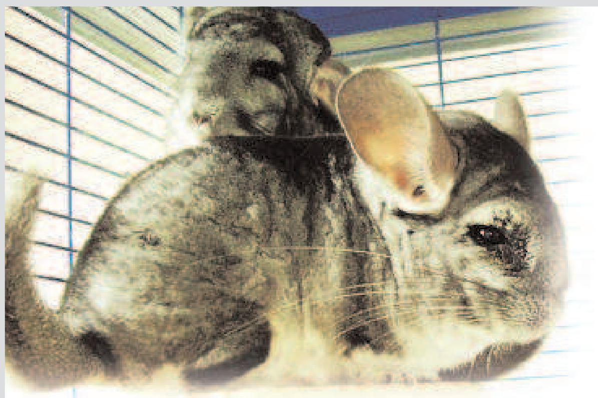

हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

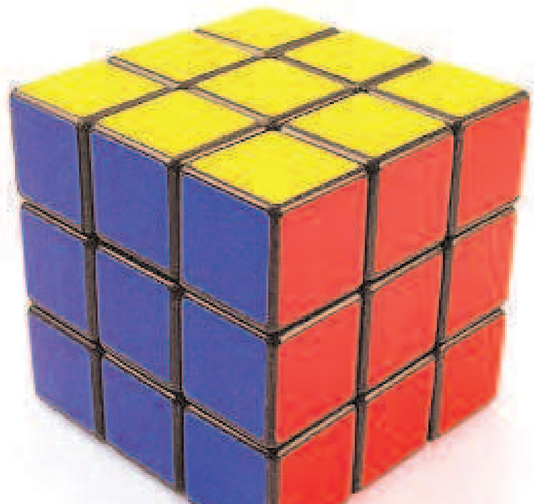

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हें बहुत मजा आएगा।

वोडाफोन आइडिया के नए सीइओ होंगे अक्षय मूंदड़ा

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने मौजूदा मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अक्षय मूंदड़ा को 19 अगस्त से अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बनाने की घोषणा की है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। सूचना में कहा गया है कि कंपनी के वर्तमान प्रबंध निदेशक और सीईओ रविंदर टक्कर एक गैर-कार्यकारी और गैर-स्वतंत्र निदेशक के रूप में कंपनी के निदेशक मंडल में बने रहेंगे। टक्कर को 19 अगस्त, 2019 से तीन साल की अवधि के लिए कंपनी का प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया था। इनका कार्यकाल 18 अगस्त को समाप्त होगा। इसमें कहा गया है कि वोडाफोन-आइडिया के निदेशक मंडल ने मनोयन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर अक्षय मूंदड़ा को 19 अगस्त, 2022 से तीन साल की अवधि के लिए कंपनी का सीईओ नियुक्त किया है। सूचना के मुताबिक, कंपनी नियत समय में एक नए सीएफओ की घोषणा करेगी।

मारुति और होंडा ला रही नई कारें

-सब कॉम्पैक्ट एसयूवी मारुति सुजुकी ब्रेजा लॉन्च

नई दिल्ली । जानी-मानी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने हाल ही में अपनी सब कॉम्पैक्ट एसयूवी मारुति सुजुकी ब्रेजा लॉन्च की है। अब कंपनी प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में ग्रैंड मारुति सुजुकी विटारा लॉन्च करने वाली है। होंडा भी भारत के सब कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में नए मॉडल्स लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी अगले साल यानी साल 2023 में नई सब कॉम्पैक्ट यानी छोटी एसयूवी बाजार में उतारेगी। जिम्नी लॉन्ग कार के बारे में काफी वक्त से चर्चा हो रही है और इसके लॉन्च का इंतजार किया जा रहा है। यह मारुति की 5 डोर ऑफ रोडर होगी जो लॉन्ग व्हील बेस के साथ आएगी। इसीलिए इसे जिम्मी लॉन्ग नाम दिया गया है। यह कार साल 2023 के ऑटो एक्सपो में पेश की जा सकती है। होंडा भी मारुति की टक्कर में अपनी होंडा कॉम्पैक्ट एसयूवी भी उतार सकती है जिसे कंपनी ने 2022 जीआईआईएएस में शोकेस किया था। इस कार का प्रॉडक्शन वर्जन 2023 जीआईआईएएस में पेश किया जा सकता है। यह कार नेक्स्ट जेन होंडा डब्लू आर वी भी हो सकती है। मारुति अपनी वीटीबी एसयूवी कप पर भी काम कर रही है जिसे वायटीबी कोडनेम दिया गया है। इस कार के फीचर्स के बारे में ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है पर इसकी पहली झलक आगामी जनवरी में ऑटो एक्सपो 2023 के दौरान देखने को मिल सकती है।

भारत में टैब लॉन्च किया जाएगा 26 को

-धांसू रियलमी पेड एक्स मिलेगी 6जीबी रेम

नई दिल्ली । भारत में टैब 26 जुलाई को लॉन्च किया जाएगा। 5जी टैबलेट रियलमी पैड एक्स एक प्रीमियम मिड-रेंज सेगमेंट का टैब होगा। कंपनी के मुताबिक रियलमी पैड एक्स एक अल्ट्रा-स्लिम डिज़ाइन का होगा, जो कि स्नैपड्रैगन के 6एनएम 5जी प्रोसेसर से लैस होगा। बता दें कि इस टैब को चीन में पहले ही लॉन्च किया जा चुका है, इसलिए इसके फीचर्स के बारे में कई बातें सामने आ चुकी हैं।रियलमी के आने वाले इस नए टैबलेट में 10.95 इंच की डब्ल्यूयूएक्सजीए+ फुल व्यू डिस्प्ले दिया जाएगा, जो 84.6 प्रतिशत स्क्रीन टू बॉडी रेशियो और 450 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ आती है। बता दें कि चीन वाले रियलमी पेड एक्स वेरिएंट में 6 जीबी की रैम के साथ 128 जीबी की स्टोरेज दी जाती है। इसकी स्टोरेज को माइक्रो एसडी कार्ड के ज़रिए 512 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। कैमरे के तौर पर इस टैबलेट के रियर में 13 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा दिया जा सकता है। सेल्फी के लिए इस टैब में 8 मेगापिक्सल का सेंसर मिलेगा, जो 105 डिग्री फील्ड ऑफ व्यू के साथ आएगा। रियलमी पेड एक्स में पावर के लिए 8,340 एमएएच की बैटरी दी जाएगी, जो कि 33डब्ल्यू की फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आएगी। कनेक्टिविटी की बात करें तो इस टैब में वाईफाई, ब्लूटूथ, 3.5एमएम हेडफोन जैक, जीपीएस, डॉल्बी एटमॉस और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट मिलेंगे। ध्यान देने वाली बात ये है कि इस टैबलेट को फिजिकल कीबोर्ड और रियलमी मैग्नेटिक स्टाइलस के साथ भी चलाया जा सकता है।

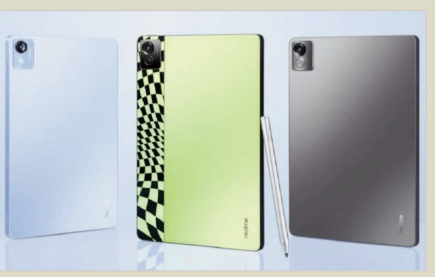

हवाई यात्रा करने वाले विशेष यात्रियों को डॉक्टरी जांच करानी होगी

नई दिल्ली ।

हवाई यात्रा करने वाले विशेष यात्रियों को अब डॉक्टरी जांच करानी होगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन कंपनियों को इस बाबत दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। डीजीसीए ने कंपनियों से कहा है कि किसी दिव्यांग यात्री को बिना मेडिकल जांच कराए विमान में बैठने से नहीं रोका जा सकता है। अगर एयरलाइन को लगता है कि दिव्यांग यात्री विमान में बैठने की हालत में नहीं है और उड़ान के दौरान उसे दिक्कत हो सकती है तो यात्री को बिना डॉक्टरी जांच कराए विमान में बैठने से इनकार नहीं कराया जा सकता है। इस बाबत कंपनियों को पहले एयरपोर्ट पर मौजूद डॉक्टर से सलाह लेनी होगी, जिसके आधार पर सही फैसला लिया जा सकता है। डीजीसीए ने अपने निर्देश में कहा है कि अगर एयरलाइन को लगता है कि किसी यात्री का स्वास्थ्य उड़ान के दौरान खराब हो सकता है तो सबसे पहले उसका डॉक्टरी जांच कराना होगा और उनकी सलाह पर ही यह तय किया जाना चाहिए कि अमुक यात्री उड़ान के लायक है अथवा नहीं। इसके आधार पर ही एयरलाइन को कोई फैसला लेना होगा। अगर किसी केस में डॉक्टर यात्री को उड़ान भरने से रोकने की सलाह देता है तो एयरलाइन को इस बारे में तत्काल यात्री को लिखित में सूचना देनी होगी और विमान में बैठने से रोकने का स्पष्ट कारण भी बताना होगा। डीजीसीए ने यह कदम इंडिगो एयरलाइन में एक मामला सामने आने के बाद उठाया है। इंडिगो ने 9 मई, 2022 को रांची-हैदराबाद की उड़ान में एक दिव्यांग लड़के को बैठाने से इनकार कर दिया था। बच्चे को यात्रा से रोके जाने के बाद उसके अभिभावक ने भी उड़ान से इनकार कर दिया। मामला सामने आने के बाद डीजीसीए ने एयरलाइन पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

रिलायंस रिटेल को 3,897 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली । रिलायंस रिटेल का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही कर पूर्व लाभ दोगुना बढ़कर 3,897 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने बताया कि फैशन, जीवन शैली तथा उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार में आय बढ़ने से लाभ बढ़ा है। रिलायंस की खुदरा इकाई ने वित्त वर्ष 2021-22 की जून तिमाही में 1,390 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए) कमाया था। इसके अलावा कंपनी की खुदरा क्षेत्र से परिचालन आय आलोच्य तिमाही में 53.67 प्रतिशत बढ़कर 51,582 करोड़ रुपये हो गई। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 33,566 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि आलोच्य तिमाही में 792 स्टोर खोलने के साथ उसके देशभर में कुल स्टोर की संख्या 15,866 हो गई है।

आरबीआई ने चार सहकारी बैंकों पर लगाया प्रतिबंध

मुंबई । बैंकों की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चार सहकारी बैंकों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसमें ग्राहकों के अपने बैंक खातों से पैसा निकालने की सीमा लगाना शामिल है। आरबीआई के अनुसार साईबाबा जनता सहकारी बैंक, द सूरी फ्रेंड्स यूनियन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सूरी (पश्चिम बंगाल) और बहराइच के नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश के मुताबिक, साईबाबा जनता सहकारी बैंक के जमाकर्ता 20,000 रुपए से अधिक नहीं निकाल सकते है। जबकि सूरी फ्रेंड्स यूनियन को-ऑपरेटिव बैंक के लिए यह सीमा 50,000 रुपए है। इसी तरह नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के मामले में निकासी की सीमा प्रति ग्राहक 10,000 रुपए कर दी गई है। आरबीआई ने बिजनौर स्थित यूनाइटेड इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर भी कई प्रतिबंध समेत ग्राहकों द्वारा धन निकासी पर रोक लगा दी है। केंद्रीय बैंक द्वारा चार सहकारी बैंकों को यह निर्देश बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत जारी किए गए है, जो छह महीने तक लागू रहेंगे। रिजर्व बैंक ने एक अन्य बयान में कहा कि उसने सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक पर 'धोखाधड़ी से संबंधित कुछ मानदंडों के उल्लंघन को लेकर 57.75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

सरकार धीरे-धीरे खत्म कर रही है रसोई गैस पर सब्सिडी, संसद में दी जानकारी

- सरकार ने एलपीजी सब्सिडी के रूप में एक साल में बचाए 11,654 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

सरकार से संसद में यह जानकारी दी कि रसोई गैस सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी को सरकार धीरे-धीरे खत्म कर रही है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने लोकसभा को बताया कि अब इन उत्पादों की कीमतें सीधे वैश्विक बाजार से जुड़ गई हैं। केंद्रीय मंत्री की ओर से लोकसभा में पेश आंकड़ों के अनुसार वित्तवर्ष 2020-21 में जहां सरकार ने एलपीजी सब्सिडी के रूप में 11,896 करोड़ रुपये खर्च किए थे, वहीं 2021-22 में यह खर्च घटकर महज 242 करोड़ रुपये रह गया है। इस तरह सब्सिडी को खत्म कर सरकार ने सिर्फ एक वित्तवर्ष में ही 11,654 करोड़ रुपये बचा लिए। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार वित्तवर्ष 2018 में एलपीजी सब्सिडी पर 23,464 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जो वित्तवर्ष 2019 में 37,209 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

इसके बाद सरकार ने लोगों से सब्सिडी छोड़ने की अपील की और करोड़ों ग्राहकों ने इस अपील पर सब्सिडी छोड़ दी, जिससे वित्तवर्ष 2020 में सरकार का खर्च घटकर 24,172 करोड़ पर आ गया। 2021 में इसमें करीब 50 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई और सब्सिडी का खर्च घटकर 11,896 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्तवर्ष में इस पर सरकार ने बेहद मामूली राशि खर्च की। पेट्रोलियम मंत्री ने संसद को बताया कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को वैश्विक बाजार से जोड़ दिया गया है। बावजूद इसके सरकार उपभोक्ताओं पर बोझ घटाने के लिए लगातार कीमतों को कम रखने पर जोर दे रही है। बीते साल सब्सिडी में गिरावट की बड़ी वजह लाभार्थियों की संख्या में कमी आना और गैस सिलेंडर की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी रही है। सरकार ने जून, 2020 में कहा था कि गैस सिलेंडर पर सब्सिडी अब सिर्फ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को ही दी जाएगी। इसके बाद से सब्सिडी पाने वालों की संख्या में 9.3 करोड़ की कमी आई है। इस दौरान रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। इस महीने की शुरुआत में ही कंपनियों ने सिलेंडर पर 50 रुपये बढ़ा दिए थे, जिसके बाद दिल्ली में रसोई गैस का दाम 1,053 रुपये पहुंच गया था। केंद्रीय मंत्री की ओर से पेश आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2019 में एलपीजी सिलेंडर का मूल्य 706.50 रुपये था, जो 1 मई 2020 तक घटकर 581.5 हो गया था। इसके बाद से रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। सिवाय अप्रैल 2021 के जब इसमें 10 रुपये की मामूली कटौती की गई थी, तबसे इसकी कीमतों में लगभग दोगुने की बढ़ोतरी हो चुकी है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार ने बनाई चार फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में फिर रौनक देखने को मिली। शुक्रवार को समाप्त हुए सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद हुए। इसके पीछे कई फैक्टर्स का योगदान रहा. मसलन, जून तिमाही के बेहतर नतीजे, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, अच्छा मॉनसून और विदेशी निवेशकों की वापसी। सेंसेक्स ने पिछले कारोबारी हफ्ते में 4.29 फीसदी की बढ़त हासिल की और 56,072 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी ने इस अवधि में 4.17 फीसदी की छलांग लगाई और 16,719 पर बंद हुआ। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी` दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स सेंसेक्स 485485.98 अंक बढ़कर 54,246.76 पर खुला और 760.37 अंक की बढ़त के साथ 54,521.15 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 126 अंक चढ़कर 16,175.20 पर खुला और 229.30 अंक मजबूत होकर 16,278.50 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 117.3 अंक गिरकर 54,403.85 अंक पर खुला और .47 अंक की बढ़त के साथ 54,767.62 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 28.80 अंक कमजोर होकर 16,249.70 अंक पर खुला और 62.05 अंक की बढ़त के साथ 16,340.55 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 755 अंकों की छलांग लगाते हुए 55,523.52 अंक पर खुला और 629.91 अंक उछलकर 55,397.53 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 224.9 अंकों की बढ़त के साथ 16,565.45 अंक पर खुला और 180.30 अंक मजबूत होकर 16,520.85 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 126.78 अंक गिरकर 55,270.75 पर खुला और 284.42 अंक की तेजी के साथ 55,681.95 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 22.50 अंक की बढ़त के साथ 16,543.35 पर खुला और 84.40 अंक चढ़कर 16,605.25 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 4.29 फीसदी की बढ़त हासिल की और 56,072 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी ने इस अवधि में 4.17 फीसदी की छलांग लगाई और 16,719 पर बंद हुआ। बीएसई के लार्ज कैप इंडेक्स में 4 फीसदी की बढ़त देखने को मिली. इसमें इंडसइंड बैंक, वेदांता, लार्सेन एंड टुब्रो इंफोटेक, बैंक ऑफ बड़ौदा, अल्ट्राटेक सीमेंट, पिरामल एंटरप्राइजेज और एक्सिस बैंक को सर्वाधिक मुनाफा हुआ। बीएसई स्मॉल कैप भी इतने फीसदी ऊपर चढ़ा।

साई सिल्क्स आईपीओ से 1,200 करोड़ जुटाएगा

नई दिल्ली ।

परिधान क्षेत्र के खुदरा विक्रेता साई सिल्क्स (कलामंदिर) लिमिटेड ने कहा है कि उसने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 1,200 करोड़ रुपए जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेज जमा कराए हैं। मसौदा दस्तावेज के मुताबिक आईपीओ में 600 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा कंपनी के प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह के पास मौजूद 18,048,440 शेयरों की बिक्री की भी पेशकश की जाएगी। निर्गम से जुटाई राशि का उपयोग 25 नए स्टोर एवं दो गोदाम खोलने, कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने, कर्ज के भुगतान और सामान्य वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। बाजार सूत्रों के मुताबिक निर्गम का आकार 1,200 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसके शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। साई सिल्क्स दक्षिण भारत में परंपरागत परिधान, खासकर साड़ियों की प्रमुख खुदरा विक्रेताओं में से एक है। इसके चार स्टोर कलामंदिर, वरमहालक्ष्मी सिल्क्स, मंदिर और केएलएम फैशन मॉल, यह बाजार के विभिन्न क्षेत्रों में प्रोडक्ट पेश करता है जिसमें प्रीमियम एथनिक फैशन, मध्यम आय के लिए एथनिक फैशन और वैल्यू-फैशन शामिल हैं।

ओला ने की 50 करोड़ डॉलर के निवेश की घोषणा

-बेंगलुरु में बैटरी इनोवेशन सेंटर बनाएगी कंपनी

नई दिल्ली ।

बेंगलुरु में अत्याधुनिक बैटरी इनोवेशन सेंटर (बीआईसी) की स्थापना पर 50 करोड़ डॉलर का निवेश करने की घोषणा की है। बीआईसी ने कहा कि कंपनी दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक सेल रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर होगा जिसमें सेल रिसर्च और डेवलपमेंट के सभी पहलुओं से संबंधित 165 से अधिक आधुनिक लैब उपकरण होंगे। कंपनी ने कहा कि केंद्र में बैटरी पैक डिजाइन, फैब्रिकेशन और जांच की सभी क्षमताएं एक ही जगह उपलब्ध हो सकेगी। बयान के मुताबिक, बीआईसी 500 पीएचडी धारकों और इंजीनियरों की भर्ती करेगा और भारत और अन्य ग्लोबल सेंटर के 1,000 रिसर्चर्स का समर्थन भी इसे मिलेगा।ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर भाविश अग्रवाल ने कहा कि बीआईसी में बैटरी इनोवेशन के लिए आधुनिक प्रयोगशालाएं और आधुनिक उपकरण होंगे और यह इलेक्ट्रिक वाहनों के ग्लोबल सेंटर बनने की ओर भारत की यात्रा को गति देंगे। अग्रवाल ने पुष्टि की कि कंपनी एक इलेक्ट्रिक मॉडल पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी लिखा कि यह इलेक्ट्रिक कार भारत में सबसे स्पोर्टी होगी।

नए टीजर से पता चलता है कि ओला की अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार कूप जैसी रूफ वाली एक लो-स्लंग, चौड़ी कार होगी। हालांकि, यह 2-डोर स्पोर्ट्स कार नहीं हो सकती है, बल्कि 4-डोर सेडान हो सकती है, जिसमें लंबी दूरी के लिए बड़ा बैटरी पैक देखने को मिलेगा। गौरतलब है कि ओला इलेक्ट्रिक जल्द ही भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने जा रही है। कंपनी के सीईओ भाविश अग्रवाल ने अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार के बारे में ट्विटर पर जानकारी दी।

भारत में अफीम की प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अब निजी क्षेत्र ने किया प्रवेश

नई दिल्ली ।

भारत में अफीम की प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अब निजी क्षेत्र का प्रवेश हो चुका है। कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार ने बजाज हेल्थकेयर को अफीम की प्रोसेसिंग का काम सौंपा है। बजाज हेल्थकेयर अफीम प्रोसेसिंग कर अल्कलॉयड निकालेगी जिसका उपयोग कफ सिरप, पेनकिलर के साथ कैंसर की दवाएं बनाने में होगा। आय और मुनाफे के लिहाज से अफीम प्रोसेसिंग के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र के प्राइवेट कंपनियों के लिए खुल जाने से बहुत बड़े बदलाव की उम्मीद की जा रही है। अफीम प्रसंस्करण के क्षेत्र में प्राइवेट कंपनियों के आने से फार्मास्यूटिकल कंपनियों को बहुत फायदा होगा। भारत में अब तक अफीम प्रसंस्करण के नियम बहुत सख्त रहे हैं। यह काम काफी केंद्रीयकृत है और मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश में स्थित दो सरकारी कारखानों में अफीम को प्रोसेस्ड कर हर साल करीब 700 टन अल्कलॉयड निकाला जाता है। देश में अल्कलॉयड, खासकर कोडीन फॉस्फेट की बहुत मांग है और सरकारी फैक्टरियां इस मांग को पूरा नहीं कर पाती। इसी लिए इसे आयात करना पड़ता है। एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने बजाज हेल्थकेयर को अफीम में पाए जाने वाले अल्कलॉयड और एक्टिव फार्मास्युटिकल्स इंग्रेडिएंट्स की सप्लाई का टेंडर दिया है। बजाज अफीम को प्रोसेस कर इनसे मॉर्फिन और कोडीन जैसे अल्कलॉयड निकालेगी और उसे सरकार को देगी। सरकार इनको फार्मा कंपनियां को सप्लाई करेगी। अब भविष्य में बजाज हेल्थकेयर भी हर साल 500 टन अल्कलॉयड उत्पादन करेगी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 572.712 अरब डॉलर

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 7.541 अरब डॉलर घटकर 572.712 अरब डॉलर रह गया। इसका कारण भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से रुपए की गिरावट को रोकने के लिए बाजार में बार-बार किया गया हस्तक्षेप है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले आठ जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 8.062 अरब डॉलर घटकर 580.252 अरब डॉलर रह गया था। शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ 79.90 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। आठ जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों का घटना है जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अलावा स्वर्ण आरक्षित भंडार घटने से भी विदेशी मुद्रा भंडार कम हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक के जारी किए गए भारत के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 6.527 अरब डॉलर घटकर 511.562 अरब डॉलर रह गई। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 83 करोड़ डॉलर घटकर 38.356 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 15.5 करोड़ डॉलर घटकर 17.857 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार भी 2.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.937 अरब डॉलर रह गया।

एमटीएनएल के निजीकरण की सरकार की कोई योजना नहीं

- पांच साल से घाटे में चल रही हि कंपनी, फेल हो चुकी है सरकार की बड़ी योजना

नई दिल्ली ।

महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के निजीकरण को लेकर संसद में बताया गया है कि एमटीएनएल के निजीकरण की कोई योजना नहीं है। पिछले पांच वित्त वर्षों से एमटीएनएल लगातार घाटे में चल रही है। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार इसका निजीकरण कर सकती है। लेकिन संसद में संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने कहा कि सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है। एमटीएनएल को 2016-17 से घाटा हो रहा है। वर्ष 2021-22 में इसका घाटा 2,617 करोड़ रुपये था। एक लिखित जवाब में संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने राज्यसभा में कहा कि एमटीएनएल के निजीकरण की कोई योजना नहीं है। सरकार ने अक्टूबर 2019 में भारत संचार निगम लिमिटेड और एमटीएनएल के रिवाइवल की योजना को मंजूरी दी थी। इसके तहत दोनों टेलीकॉम कॉर्पोरेशन के मर्जर की मंजूरी दी गई थी।

लेकिन एमटीएनएल के अधिक कर्ज और बीएसएनएल की प्रतिकूल वित्तीय स्थिति के कारण ये योजना आगे नहीं बढ़ सकी। दिसंबर 2020 में सरकार ने एमटीएनएल के कर्ज की स्थिति में सुधार होने तक मर्जर को टाल दिया। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने 14 जून 2022 को हुई अपनी बैठक में 5जी सेवाएं प्रदान करने के लिए बीएसएनएल के लिए स्पेक्ट्रम रिजर्व किया था। आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत देश में बने 4जी उपकरणों का परीक्षण पहले से ही एडवांस स्टेज में है। परीक्षण पूरा होने के बाद उपकरणों की डिलीवरी शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस उपकरण को लगाने और चालू करने के बाद लोगों को लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइड करने वाली प्रमुख कंपनियों के बकाया लाइसेंस शुल्क के बारे में बताया। मंत्री के अनुसार, वित्त वर्ष 2018-19 तक कुल लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम इस्तेमाल शुल्क का बकाया लगभग 1,62,654.4 करोड़ रुपये था। इसमें से वित्त वर्ष 2018-19 तक भारती समूह का लाइसेंस फीस और स्पेक्ट्रम इस्तेमाल शुल्क बकाया लगभग 29,856 करोड़ रुपये था, जबकि वोडाफोन आइडिया का 59,236.8 करोड़ रुपये था।

सिडनी मैकलॉघलिन ने 400 बाधा दौड़ में अपना विश्व रिकॉर्ड सुधारा

यूजीन । सिडनी मैकलॉघलिन ने 400 मीटर बाधा दौड़ में 50.68 सेकंड के समय के साथ अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार करते हुए विश्व चैम्पियनशिप का पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। 22 साल की धाविका ने ट्रैक पर अपना दबदबा कायम कर बड़े अंतर से प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ा। यह लगातार चौथी बार है, जब उन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट में अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड में सुधार किया है। नीदरलैंड की फेम्के बोल उनसे 1.59 सेंकंड पीछे 52.27 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि गत विश्व चैम्पियन दलिला मुहम्मद 53.13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रही। दलिला सात साल पहले इस समय के साथ स्वर्ण पदक विजेता होती। मैकलॉघलिन ने अपनी स्पर्धा के बाद कहा कि यह अविश्वसनीय लग रहा है। हेवर्ड स्टेडियम में मैकलॉघलिन ने बोल और दलिला को शुरुआती 150 मीटर के बाद पीछे छोड़ा और फिर अपनी बढ़त को मजबूत करते गई। उन्होंने रेस पूरा करने के बाद घड़ी और स्कोरबोर्ड को देखा और कहा कि यह शानदार है, शानदार है। पदक समारोह के बाद विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने मैकलॉघलिन को एक लाख डॉलर (लगभग 80 लाख रुपए) का चेक प्रदान किया। यह रकम इस प्रतियोगिता में नया विश्व रिकॉर्ड कायम करने वाले एथलीट को बोनस पुरस्कार के तौर पर मिलता है।

उम्र धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए एक सॉफ्टवेयर का उपयोग करेगा बीसीसीआई

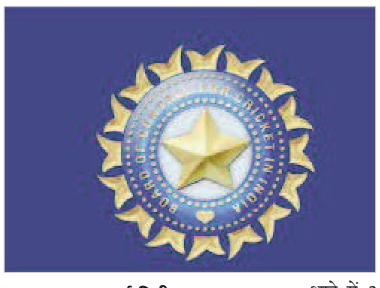

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रायोगिक तौर पर उम्र धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए मौजूदा 'टीडब्ल्यूथ्री' पद्धति के साथ एक सॉफ्टवेयर का उपयोग करेगा, जिसका मकसद नतीजे को तुरंत प्राप्त करने के साथ लागत में 80 प्रतिशत तक की बचत करना है। आयु धोखाधड़ी के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने वाला बीसीसीआई फिलहाल उम्र निर्धारण के लिए 'टीडब्ल्यूथ्री' पद्धति (बाएं हाथ और कलाई के एक्स-रे पर आधारित) का उपयोग करता है। वर्तमान पद्धति में हर परीक्षण की लागत 2400 रुपए है और इसके परिणाम आने में 3 से 4 दिन का समय लगता है जबकि 'बोनएक्सपर्ट सॉफ्टवेयर' का प्रस्तावित उपयोग तात्कालिक परिणाम देगा और लागत केवल 288 रुपए होगी। बीसीसीआई के नोट में कहा गया कि आयु की पुष्टि के लिए बीसीसीआई पर्यवेक्षक की उपस्थिति में खिलाडियों की कलाई का एक्स-रे कराता है और फिर राज्य क्रिकेट संघ एक्स-रे कॉपी को बीसीसीआई एवीपी (आयु सत्यापन विभाग) के पास भेजता है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई एवीपी उसे अपने पैनल के दो स्वतंत्र रेडियोलॉजिस्ट को भेजता है। रेडियोलॉजिस्ट इसका आकलन कर अपनी रिपोर्ट बीसीसीआई को सौंपता है और इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। 38 राज्य संघों के खिलाडियों की निगरानी के लिए बीसीसीआई के पास चार रेडियोलॉजिस्ट है। इसके मुताबिक- बोर्ड प्रयोग पर राज्य संघों के साथ काम करेगा। बोर्ड हालांकि अपने डेटाबैंक में सीमित संख्या में एक्स-रे पर चल रहे परीक्षण डेटा से संतुष्ट हैं, फिर भी हम इससे पूरी तरह संतुष्ट होने के लिए सभी संघों में बड़ी संख्या में एक्स-रे (लगभग 3800) के साथ सॉफ्टवेयर की जांच करना चाहते है। बीसीसीआई के अंतर्गत आने वाले टूर्नामेंट में कई बार आयु वर्ग के टूर्नामेंटों में कई बार धोखाधड़ी के मामले सामने आए है। जून 2019 में, जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज रसिख आलम को गलत जन्म प्रमाण पत्र जमा करने का दोषी पाए जाने के बाद दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। इससे पहले अंडर-19 विश्व कप स्टार मंजोत कालरा, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली के बल्लेबाज अंकित बावने उन क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्हें अपनी उम्र छुपाने का दोषी पाया गया है। बीसीसीआई ने अगस्त 2020 में अपने पंजीकृत खिलाडियों के लिए सही आयु बताने की एक स्वैच्छिक योजना शुरू की थी। बीसीसीआई में उम्र को लेकर धोखाधड़ी करने वाले क्रिकेटरों को दो साल के लिए प्रतिबंधित करने का प्रावधान है।

जेवलिन थ्रो- एथलीट अनु रानी जीतने चूकी, अब नीरज चोपड़ा और रोहित यादव से उम्मीद

नई दिल्ली।

देश की अनुभवी महिला जेवलिन थ्रो एथलीट अनु रानी ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 में अपने प्रदर्शन से निराश किया है वे पदक जीतने से चूक गईं। अनु को महिलाओं की जेवलिन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में सातवें स्थान से संतोष करना पड़ा। उन्होंने दूसरे प्रयास में 61.12 मीटर दूर भाला फेंका लेकिन यह पदक दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। भारत को अब गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से पदक की उम्मीदें हैं। नीरज रविवार (24 जुलाई) को फाइनल में अपनी किस्मत आजमांएगे। नीरज के अलावा रोहित यादव भी 12 एथलीटों के फाइनल में अपना जौहर दिखाते हुए नजर आएंगे। अनु रानी लगातार दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने फाइनल में पहला थ्रो 56.18 मीटर किया जबकि दूसरा थ्रो 61.12 मीटर रहा जो दिन का बेस्ट थ्रो था। तीसरे थ्रो में अनु का भाला 59.27 मीटर दूर जाकर गिरा जबकि चौथा थ्रो 58।14 मीटर रहा। पांचवें थ्रो में अनु ने 59.98 मीटर दूर भाला फेंका वहीं छठे थ्रो में भाला ने 58.70 मीटर की दूरी तय की। अनु रानी का सीजन का बेस्ट प्रदर्शन 63.82 मीटर थ्रो था। नेशनल रिकॉर्डधारी अनुरानी ने 59.60 मीटर थ्रो के साथ फाइनल आठ के लिए क्वालिफाई किया था। इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल ऑस्ट्रेलिया की केलसी ली बारबर ने अपने नाम किया। बारबर ने 66.91 मीटर दूर भाला फेंका वहीं अमेरिका की कारा विंगर ने 64.05 मीटर भाला फेंककर सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। जापान की हरुका कितगुची ने 6.27 मीटर दूर थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। भारत की ओर से तीन एथलीटों ने जेवलिन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश किया था। अब सबकी निगाहें टोक्यो ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा और रोहित यादव पर होगी। नीरज ने 88.39 मीटर दूर भाला फेंककर फाइनल में एंट्री मारी है वहीं रोहित ने 77.32 मीटर दूर भाला फेंककर मेडल राउंड में प्रवेश किया है।

वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज में चौथे दौर के बाद भी आनंद की बढ़त बरकरार

डोर्टमंड ।

भारत के पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद नो केस्लिंग वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज के चौंथे राउंड के बाद एकल बढ़त बनाए हुए है। आनंद नें चौंथे राउंड में जर्मनी के दिमित्री कोल्लार्स से बाजी ड्रॉ खेली। सफ़ेद मोहरों से खेल रहे आनंद क्यूजीडी शुरुआत में बेहतर नजर आ रहे थे, पर मोहरों की अदला-बदली के बीच 50 चालों तक चले एंडगेम में बाजी ड्रॉ पर समाप्त हुई। चौथे दौर का दूसरा मुक़ाबला इंग्लैंड के माइकल एडम्स और जर्मनी के डेनियल फ्रिडमन के बीच खेला गया और वह भी बेनतीजा रहा।

टीम के साथी अच्छा खेले, शतक से चूकने पर शिखर धवन ने जताई निराशा

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने ओपनर शुभमन गिल और शिखर धवन की शतकीय साझेदारी और फिर गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत आखिरी गेंद तक खिंचे बेहद रोमांचक पहले एक दिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को तीन रनों से हरा दिया। कप्तान शिखर धवन बहुत अच्छा खेले, लेकिन वह अपना शतक पूरा नहीं कर सके। 97 रन के स्कोर पर गुडकेश मोती की गेंद पर शामराह ब्रूक्स ने उनका कैच लपक लिया। शतक से चूकने के बाद धवन ने कहा कि वह इससे बेहद निराश हैं। मैन ऑफ द मैच चुने गए शिखर धवन ने कहा मैं शतक पूरा नहीं कर पाने से निराश हूं। टीम के अन्य साथियों ने अच्छा योगदान दिया। इस वजह से हम आखिर में अच्छा स्कोर बनाने में सफल रहे। अंतिम समय में घबराहट हो रही थी, क्योंकि मैच के इस मोड़ पर पहुंचने की उम्मीद नहीं की थी। शुभमन गिल के 64 और कप्तान धवन के 97 रन की मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 308 रन बनाए। जवाब में निकोलस पूरन एंड कंपनी ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 305 रन बनाए। आखिरी ओवर में उसे जीत के लिए 15 रन की जरूरत थी, लेकिन कैरेबियाई टीम तीन रन से चूक गई। शिखर धवन ने कहा हमने अंत तक अपना धैर्य बनाए रखा और नतीजा सामने है। हमने अपने फाइन लेग को पीछे किया, जिसका हमें फायदा मिला। हमारी बात यही हुई थी कि जितना संभव हो सके, हम बड़ी बाउंड्री का उपयोग करें। हम सीखते रहना चाहते हैं और टूर्नामेंट के बाकी मैचों में खुद को बेहतर बनाना चाहते हैं। पहला विकेट 16 रन पर गिरने के बाद वेस्टइंडीज के लिए शामराह ब्रूक्स और काइल मायर्स ने 117 रन की साझेदारी की। दिसंबर 2020 के बाद पहला वनडे खेल रहे गिल ने 52 गेंद में 64 रन बनाए, जबकि धवन ने 99 गेंद में 97 रन की पारी खेली। विंडीज की ओर से काइल मायर्स ने 68 गेंद में 75 और ब्रूक्स ने 61 गेंद में 48 रन बनाए। तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर ने दोनों को पवेलियन भेजकर वेस्टइंडीज की राह मुश्किल कर दी। ब्रेंडन किंग ने 54 रन की पारी खेली, लेकिन कप्तान निकोलस पूरन 25 रन ही बना सके। छह विकेट 252 रन पर गिरने के बाद सातवें विकेट की अटूट साझेदारी में अकील हुसैन (32) और रोमारियो शेफर्ड (38) 53 रन जोड़े लेकिन टीम को जीत तक नहीं ले जा सके। भारत के लिए मोहम्मद सिराज, ठाकुर और युजवेंद्र चहल ने दो दो विकेट लिए।

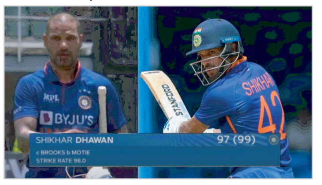

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा के प्रदर्शन पर रहेगी सभी की निगाहें

नई दिल्ली । राष्ट्रमंडल खेलों में सभी की निगाहें ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा के प्रदर्शन पर लगी होंगी। लेकिन मुरली श्रीशंकर और अविनाश साबले भी पदक के मजबूत दावेदारों में हैं। जिससे भारतीय एथलेटिक्स टीम की निगाहें बर्मिंघम में आगामी चरण में घरेलू सरजमीं के बाहर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर लगी होंगी। महिला भाला फेंक एथलीट अनु रानी और 38 साल की अनुभवी चक्का फेंक एथलीट सीमा अंतिल (राष्ट्रमंडल खेलों में तीन रजत और एक कांस्य) पोडियम स्थान हासिल कर सकती हैं जबकि भारत के पुरूष त्रिकूद स्पर्धा में एक से ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद है। कई विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के आने से भारत 28 जुलाई से आठ अगस्त तक चलने वाले खेलों में आधा दर्जन पदकों की उम्मीद लगी है। देश का एथलेटिक्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिल्ली 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में रहा है जिसमें दो स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा के खाते में रहे थे। उस प्रदर्शन की बराबरी करना हालांकि निश्चित रूप से मुश्किल होगा। लेकिन भारतीय अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश में होगा। अभी तक भारतीय एथलेटिक्स दल का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 और 2018 के चरण में रहा है, जिसमें उन्होंने तीन पदक (एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य) जीते थे। अमेरिका के यूजीन में चल रही विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचे सभी छह भारतीय इसके बाद सीधे बर्मिंघम पहुंचने वाले हैं। देश के नाम अभी तक राष्ट्रमंडल खेलों की एथलेटिक्स स्पर्धा में 28 पदक (पांच स्वर्ण, 10 रजत और 13 कांस्य) हैं, जिसमें महान एथलीट मिल्खा सिंह ने 1958 में पुरूषों की 440 यार्ड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। सेकर धनलक्ष्मी और ऐश्वर्या बाबू को डोपिंग जांच में विफल आने के बाद टीम से बाहर कर दिया गया। लेकिन धनलक्ष्मी की अनुपस्थिति से महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम पर असर पड़ेगा, हालांकि इंग्लैंड, जमैका, कनाडा और आस्ट्रेलिया की मौजूदगी से भारत प्रबल दावेदारों में शामिल नहीं है। लंबी कूद की एथलीट ऐश्वर्या पदक (कांस्य पदक) दावेदारों में शामिल हो सकती थीं, क्योंकि पिछले महीने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप में उन्होंने 14.14 मीटर की कूद लगाई थी। गत चैम्पियन चोपड़ा को हालांकि स्वर्ण पदक के लिये निश्चित दावेदार नहीं हैं, क्योंकि उन्हें पहले स्थान के लिये ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से चुनौती मिलेगी। पीटर्स 2018 गोल्ड कोस्ट खेलों में 82.20 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो से तीसरे स्थान पर रहे थे जबकि चोपड़ा ने 86.47 मीटर से स्वर्ण पदक जीता था। लेकिन इसके बाद पीटर्स ने 2019 विश्व चैम्पियनशिप जीती और इस साल तीन बार 90 से ज्यादा मीटर की दूरी के थ्रो कर चुके हैं। चोपड़ा ने दो बार पीटर्स को पछाड़ा है, जबकि ग्रेनाडा का यह 24 साल का एथलीट इस साल तीन प्रतियोगिताओं में एक बार ही भारतीय पर भारी पड़ा है। भारत पुरूष भाला फेंक स्पर्धा में दो पदक जीत सकता है क्योंकि 2012 ओलंपिक चैम्पियन केशोर्ण वॉलकॉट इस सत्र में जूझ रहे हैं। भारत के डीपी मनु और रोहित यादव राष्ट्रमंडल एथलीटों में सत्र की सूची में अगले खिलाड़ी हैं। रोहित यादव तो चोपड़ा के साथ विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में भी पहुंचे हैं। मनु ने पिछले माह 84.35 मीटर दूर भाला फेंककर राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि रोहित ने पहली बार विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। वहीं श्रीशंकर बर्मिंघम में पदक जीतने के प्रबल दावेदार में शामिल हैं, जो विश्व चैम्पियनशिप में दावेदारों में शामिल थे, लेकिन 7.99 मीटर की कूद से सातवें स्थान पर रहे। विश्व चैम्पियनशिप की निराशा उन्हें राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने के लिए प्रेरित कर सकती है। अन्य लंबी कूद के भारतीय मोहम्मद अनीस याहिया भी पदक की दौड़ में हो सकते हैं, अगर वह 8 मीटर की कूद लगा लें जो वह इस सत्र में पांच बार कर चुके हैं जिसमें मार्च में उन्होंने 8.15 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूद लगायी।

सीजीएफ ने हाई जंपर तेजस्विन शंकर को दी बर्मिंघम खेलों में भाग लेने की अनुमति

नई दिल्ली ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अनुरोध पर कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन (सीजीएफ) ने हाई जंपर तेजस्विन शंकर को आगामी बर्मिंघम खेलों में भाग लेने की अनुमति दे दी है। पिछले एक माह से उनकी भागीदारी को लेकर संशय बना हुआ था। आयोजकों ने शुरू में तेजस्विन के देर से हिस्सा लेने की अर्जी खारिज कर दी थी। आईओए को अब सीजीएफ और बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजकों से उनके प्रवेश की स्वीकृति मिल गई है। इसकी पुष्टि प्रतिनिधि पंजीकरण बैठक (डीआरएम) के बाद हुई। 23 साल के तेजस्विन ने भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। आईओए से जारी बयान के मुताबिक तेजस्विन शंकर की प्रविष्टि को सीजीएफ द्वारा अनुमोदित किया गया और इसे डीआरएम के दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स बर्मिंघम 2022 के खेल प्रवेश विभाग द्वारा स्वीकार किया गया है। तेजस्विन ने कहा मेरे पास अपनी भावना प्रकट करने के लिए पर्याप्त शब्द नहीं हैं, मैं खुश हूं या दुखी, मैं कुछ नहीं कह सकता। यह भावनाओं से भरा समय रहा है। मुझे अब तक विश्वास नहीं हो रहा है कि मुझे कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने के लिए हरी झंडी मिल गई है। उन्होंने कहा मैं नहीं बता सकता कि मैं हैरान हूं या स्तब्ध। मेरे मामले को लेकर बहुत देर तक 'हां-ना' चलता रहा और ऐसा 5-6 बार हुआ। इसलिए इस पर विश्वास करना मुश्किल है। तेजस्विन के अलावा धाविका एमवी जिलना को भी भारतीय दल में शामिल करने की मंजूरी मिल गई है। चार गुणा 100 मीटर रिले टीम की इस सदस्य को भारतीय एथलेटिक्स संघ ने पहले 37वें सदस्य के तौर पर टीम में शामिल किया था, लेकिन आईओए ने 36 खिलाड़ियों से अधिक की मंजूरी नहीं दी थी। एएफआई के अधिकारियों ने इससे पहले बताया था कि जिलना को सेकर धनलक्ष्मी की जगह टीम में शामिल किया जाएगा। धनलक्ष्मी को 100 मीटर दौड़ के अलावा 4 गुणा 100 मीटर रिले टीम में स्पर्धा करनी थी, लेकिन वह डोप जांच में विफल रही है। इससे पहले कॉमनवेल्थ गेम्सों के आयोजकों ने आईओए को सूचित किया कि अंतिम समय में खिलाड़ी के प्रतिस्थापन (एलएआर) को उसी स्पर्धा में भाग लेने की अनुमति दी जाती है जिस स्पर्धा से खिलाड़ी हटा हो (इस मामले में चार गुणा 400 मीटर रिले में)।

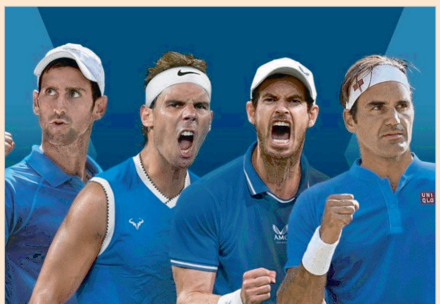

सितंबर में होने वाले लेवर कप के लिए टीम यूरोप में खेलेंगे जोकोविच, फेडरर, नडाल और एंडी मरे

लंदन ।

दिग्गज नोवाक जोकोविच सितंबर में होने वाले लेवर कप के लिए टीम यूरोप में खेलेंगे। उनके साथ 3 और दिग्गज रोजर फेडरर, स्पेन के राफेल नडाल और ब्रिटिश स्टार एंडी मरे भी टीम का हिस्सा होंगे। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि जोकोविच भी इसमें हिस्सा लेंगे। जोकोविच ने इस महीने में अपना 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। इससे वह फेडरर (20 ग्रैंडस्लैम) से एक खिताब आगे निकल गए थे जबकि नडाल (22 ग्रैंडस्लैम) से एक खिताब पीछे है। एंडी मरे के नाम 3 मेजर चैंपियनशिप हैं। इस चौकड़ी ने पिछली 76 ग्रैंडस्लैम ट्राफियों में से 66 अपने नाम की हैं और हर खिलाड़ी एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रह चुका है। लेवर कप का 5वां चरण लंदन में 23 से 25 सितंबर तक खेला जाएगा। लेवर कप अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट है जो इंडोर हार्ड कोर्ट पर खेला जाता है। इसमें टीम यूरोप और टीम वर्ल्ड, 2 पुरुष टीमें हिस्सा लेती हैं।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जॉनथन ट्रॉट अफगानिस्तान के नए कोच बने

काबुल। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जॉनथन ट्रॉट अफगानिस्तान के नए कोच बने हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि वह अगस्त में होने वाले आयरलैंड दौरे से अपनी जिम्मेदारियां संभालने वाले हैं। ट्रॉट ने 2009-15 के बीच इंग्लैंड के लिए 52 टेस्ट मैच खेलकर 44.08 की औसत से 3835 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 226 रन के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 9 शतक और 19 अर्घशतक भी लगाए हैं। ट्रॉट 68 एकदिवसीय मैचों में भी इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने चार शतकों और 22 अर्घशतकों के साथ 51.25 की औसत से 2838 रन बनाए हैं। इंग्लिश बल्लेबाज ट्रॉट इंग्लैंड अंडर-19 टीम के बैटिंग कोच और मेंटर रह चुके हैं। इसके अलावा वह 2021 टी20 विश्व कप के दौरान स्कॉटलैंड के परामर्शदाता का किरदार भी निभा चुके हैं।

रविवार को होनी है बर्मिंघम के लिए रवानगी, 6 महिला क्रिकेटरों को अब तक नहीं मिल सका वीजा

नई दिल्ली ।

बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना होने में 48 घंटे से कम समय रह गया है, लेकिन भारतीय महिला क्रिकेट दल की छह सदस्यों को अभी तक वीजा नहीं मिल सका है। इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में महिला क्रिकेट की शुरुआत हो रही है। भारतीय टीम इस समय बेंगलुरु में ट्रेनिंग कर रही है और उसे रविवार (24 जुलाई) को बर्मिंघम के लिए रवाना होना है। बीसीसीआई इस मुद्दे पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से संपर्क में है। आईओए सूत्र ने कहा कुछ वीजा मिल गए हैं छह वीजा मिलने बाकी हैं, जिसमें तीन खिलाड़ियों के और तीन सहयोगी स्टाफ के हैं। बाकी वीजा शनिवार तक आ जाने चाहिए। वैसे भी हमारा इस प्रक्रिया में कोई नियंत्रण नहीं है। गर्मियों के कारण व्यस्तता है और ब्रिटेन का वीजा मिलने में समय लग रहा है। खिलाड़ियों की किट भी अब तक बेंगलुरु नहीं पहुंची हैं, लेकिन आईओए अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वह रवाना होने से पहले तक पहुंच जाएंगी। बीसीसीआई ने 28 जुलाई से शुरू होने वाले खेलों के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू करेगा जिसके बाद उसका सामना 31 जुलाई को पाकिस्तान से होगा। आठ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ और तीन रिजर्व खिलाड़ियों को भी चुना गया है। वहीं भारत के दल प्रमुख राजेश भंडारी को शुक्रवार को आखिर वीजा मिल गया और वह जल्द ही बर्मिंघम में अपने साथियों से जुड़ जाएंगे। वहीं उप दल प्रमुख प्रशांत कुशवाहा को भी वीजा का इंतजार है। आईओए सूत्र ने कहा उनका वीजा भी जल्द ही मिल जाना चाहिए। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सूचित किया था कि टीम की एक सदस्या कोविड-19 पॉजिटिव आई हैं और पृथकवास में है। कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय महिला टीम इस प्रकार है-हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, एस मेघना, तानिया सपना भाटिया (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, राधा यादव, हरलीन देओल और स्नेह राणा।

मौसम के साथ सामंजस्य बिठाने पर रहेगा ध्यान, पदक के लिए जी-जान लगा देंगे : मनप्रीत

बेंगलुरु । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि ब्रिटेन पहुंचने के बाद मौसम के अनुकूल ढलने का प्रयास करेंगे। उन्होने कहा कि भारतीय टीम राष्ट्रमंडल खेलों में पदक हासिल करने के लिए जी-जान लगा देगी। टीम 28 जुलाई से आठ अगस्त तक चलने वाले खेलों में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को बर्मिंघम रवाना हुई। उन्होंने रवानगी से पहले कहा हम इस आयोजन को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि हम पिछले कुछ समय से इस प्रतियोगिता को ध्यान में रखकर अभ्यास कर रहे हैं। हम दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा टीम ने पिछले कुछ महीनों में अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम किया है और हम यहां पदक जीतने के लिए जो कुछ भी करना हो वह करेंगे। भारत पूल बी में इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 31 जुलाई को घाना के खिलाफ करेगी। मनप्रीत का मानना है कि एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के 2021-2022 सत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद भारत का तीसरा स्थान हासिल करना बर्मिंघम में मददगार होगा।ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में पूछे जाने पर मनप्रीत ने कहा हर कोई उत्साहित है और मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा अभी, हम बर्मिंघम पहुंचने और वहां के मौसम के अनुकूल ढलने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम अपने पहले मैच की भी तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि घाना के खिलाफ बेहतर शुरुआत हमारे अभियान के लिए अहम होगा।

समग्र देश के लगभग 96 प्रतिशत पुलिस स्टेशन ऑनलाइन हुए : अमित शाह

गांधीनगर । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात पुलिस को अत्याधुनिक बनाने तथा राज्य के नागरिकों की सुरक्षा-सुविधाओं में वृद्धि करने वाले प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल एवं गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को अभिनंदन देते हुए कहा है कि गुजरात पुलिस ने वर्षों से देश भर में अग्रसर रहने की परम्परा निभाई है। शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की टेक्नोलॉजी आधारित नई पहल के माध्यम से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में टीम गुजरात इस परम्परा को आगे भी बनाए रखेगी। शाह ने शनिवार को गांधीनगर में कहा कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए क़ानून-व्यवस्था की स्थिति का मज़बूत होना ज़रूरी है और इसमें पुलिस विभाग का आधुनिकीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गुजरात के आश्वस्त व विश्वास प्रोजेक्ट ने राज्य के नागरिकों की सुरक्षा में वृद्धि की है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत राज्य भर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरा की संख्या में भी वृद्धि करना आवश्यक है। रेलवे स्टेशनों, निजी सोसाइटियों, बंदरगाहों, यात्राधामों सहित सभी स्थलों पर लगे कैमरा निजी हों, तो भी उनके के साथ सम्पर्क कर उन्हें टेक्नोलॉजी की सहायता से कमांड एंड कंट्रोल रूम के सिस्टम के साथ जोड़ना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि समग्र कैमरा का नेटवर्क एक लिंक से जुड़ेगा, तभी राज्य के सुरक्षा चक्र की कल्पना सही अर्थ में राज्य के सुदर्शन चक्र में परिवर्तित होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य के किसी भी स्थान पर कोई घटना घटती है, तब वहाँ तुरंत ही पुलिस प्रशासन पहुँच सके, ऐसी कनेक्टिविटी का विस्तार करना चाहिए। शाह ने कहा कि ई-कोप की शुरुआत हुई, तब समग्र देश में इस प्रकार की सेवाएँ देने में गुजरात पहला राज्य था। राज्य के सभी पुलिस स्टेशन कम्प्यूटराइज़ किए गए और पुलिस कॉन्स्टेबल से लेकर पुलिस अधिकारियों तक के प्रशिक्षण में विशेष रूप से कम्प्यूटर का प्रशिक्षण भी जोड़ा गया। आज त्रिनेत्र की कल्पना साकार हुई है। इसकी शुरुआत भी हमने ई-कोप से ही की थी। ई-एफ़आईआर की सुविधा भी ई-कोप के सॉफ़्टवेयर में थी। ई-कोप से त्रिनेत्र तक की गुजरात पुलिस की अत्याधुनिक होने की यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को सही अर्थ में साकार कर रही है। उन्होंने कहा कि आज समग्र देश के लगभग 96 प्रतिशत पुलिस स्टेशन ऑनलाइन हुए हैं। इंडियन साइपर को-ऑर्डिनेशन सेंटर का भी गठन किया गया है। ये तमाम अत्याधुनिक टेक्नोलॉजीस भारत सरकार ने ख़रीदी हैं। किसी राज्य सरकार को ये टेक्नोलॉजीस अलग से ख़रीदने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि केवल भारत सरकार से एक्सटेंशन लेने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि गुजरात की क़ानून-व्यवस्था की स्थिति में 80 के दशक से लेकर 2022 तक बहुत बड़े परिवर्तन हुए हैं। क़ानून-व्यवस्था की स्थिति में इतना बड़ा परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृष्टि एवं अपराधियों के विरुद्ध कड़े रवैये के परिणामस्वरूप संभव हुआ है। आज राज्य में कर्फ़्यू तथा साम्प्रदायिक दंगे जैसे शब्द अतीत बने हैं। राज्य की समुद्री सीमाएँ घुसपैठ से त्रस्त थीं। आज ये तमाम समुद्री सीमाएँ सुरक्षित हुई हैं तथा घुसपैठ पूरी तरह बंद हुई है। इतना ही नहीं, घुसपैठ, तस्करी आदि बुराइयाँ भी आज अतीत बन गई हैं। आज राज्य पुलिस ने आधुनिक, टेक्नोसेवी एवं संवेदनशील बन कर राज्य के विकास की गति में वृद्धि की है। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2022 का राष्ट्रपति चुनाव ऐतिहासिक सिद्ध हुआ है। जातिवाद से ऊपर उठ कर विचारधारा के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार कार्य कर रही है। देश का साधारण नागरिक भी देश का सर्वोच्च पद धारण कर सकता है। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एक साधारण संथाल आदिवासी परिवार से आती हैं। सुश्री द्रौपदी मुर्मू से महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू तक की उनकी यात्रा ने इस बात का उदाहरण प्रस्तुत किया है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत सभी राष्ट्रवासियों को आगामी 13, 14 व 15 अगस्त के दौरान अपने घर पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया है। शाह ने गुजरात की जनता से अपील की कि प्रधानमंत्री के आह्वान को स्वीकार करते हुए आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत गुजरात का कोई घर या कॉम्प्लेक्स तिरंगा विहीन न रहे।उन्होंने कहा कि तिरंगा ई-कॉमर्स वेबसाइट से पोस्ट ऑफ़िस से भी सरलता से उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात की दो दशकों की उज्ज्वल विकास यात्रा का कारण राज्य में पुलिस की सुसज्जता एवं क़ानून-व्यवस्था की उत्तम स्थिति रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में अपने कार्यकाल के दौरान राज्य में क़ानून-व्यवस्था की स्थिति को अधिकाधिक सुदृढ़ बनाने के आशय से टेक्नोलॉजी के माध्यम से अनेकविद् नवीनतम् आयाम शुरू किए थे, जिनके फलस्वरूप आज गुजरात देश भर में सर्वश्रेष्ठ शांत तथा सुरक्षित राज्य बना है। पटेल ने कहा कि राज्य की इस निरंतर विकास यात्रा में पुलिस कर्मचारियों की सेवाओं का अप्रतिम योगदान रहा है। आज से 20 वर्ष पहले गुजरात के शहरी क्षेत्र गुंडों-माफ़ियाओं के नाम से कुख्यात थे और शहरों में दंगे जैसी घटनाएँ आएदिन होती थीं। क़ानून-व्यवस्था की कमज़ोर स्थिति ने गुजरात का विकास अवरुद्ध कर दिया था, परंतु जब से मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब से उन्होंने पुलिस बल का मनोबल बढ़ाने के निरंतर प्रयास शुरू किए। इसके फलस्वरूप आज की युवा पीढ़ी ने गुजरात में दंगे, कर्फ़्यू आदि देखे ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात की पुलिस को शार्प, स्मार्ट तथा सतर्क बनाने के आशय से टेक्नोलॉजी का अधिकतम् उपयोग कर पुलिस बल को अधिक सुसज्ज बनाने के लिए दृष्टिवंत आयोजन किया, जिसके फलस्वरूप आज गुजरात स्मार्ट पुलिसिंग, पीपल-फ़्रेंड्ली पुलिसिंग से विकसित राज्य बना है। अब तो गुजरात को डबल इंजन की सरकार का लाभ मिल रहा है।

गरीबों के भेष में गांजा की तस्करी का पर्दाफाश, तीन महिला समेत 7 गिरफ्तार

अहमदाबाद। एसओजी पुलिस ने गरीबों की भेष में गांजा की तस्करी करने के आरोप में तीन महिला समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी विशाखापट्टनम के काकीनाळा से गांजा लेकर आए थे। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद एसओजी ने शहर के न्यू क्लोथ मार्केट के निकट से 3 महिलाओं समेत । लोगों को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे रेलवे स्टेशन से ऑटो रिक्शा में सवार होकर अपनी मंझिल की ओर जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में मोहमद फारुख शेख, मुरुगन सुब्रह्मण्यम और उसकी पत्नी सोलैया माल, समीर सिपाई, सत्या नादन उर्फ सत्यदेव ख्रिस्ती, शेलवी नायडु और पूजा गोयल शामिल है। इनमें फारुख शेख, समीर सिपाई और सत्या नादन उर्फ सत्यदेव अहमदाबाद के निवासी हैं। सभी आरोपी तमिलनाडु के विशाखापट्टन के काकीनाळा से 3.96 लाख रुपए कीमत का 39.600 किलो ग्राम गांजा लेकर अहमदाबाद आए थे। पूछताछ में पता चला कि बरामद गांजा अहमदाबाद के सेटेलाइट के रामदेवनगर और गुलबाई टेकरा क्षेत्र में पहुंचाया जाना था। इसमामले में अब भी तीन आरोपी वांटेड हैं, जो अहमदाबाद में फुटकर गांजा बेचते थे।

द रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल (C.B.S.E) के छात्रों ने कक्षा 10 के परिणामों में अभूतपूर्व सफलता हासिल की

"जिंदगी एक जंग है, लड़ते रहो..पर हमको कहाँ फ़र्क पड़ता है..अगर हम आत्मविश्वास नामक हथियार रखते हैं"

सूरत। इतने आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देते हुए और कड़ी मेहनत के माध्यम से उच्च लक्ष्य रखते हुए, हमारे स्कूल द रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल ने बोर्ड द्वारा घोषित सीबीएसई कक्षा 10 वीं के परिणाम जुलाई-2022 में शानदार सफलता हासिल की है। जिसमें ए1 ग्रेड में 31, ए2 ग्रेड में 24 और बी1 ग्रेड में 69 छात्रों ने सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किया। छात्रों के साथ अपनी सफलता की कहानी में, उन्होंने स्कूल के पूरे दिन के शिक्षकों की टीम की कड़ी मेहनत और संशोधन को पहला कदम बताया।

स्कूल के प्रबंध निदेशक किशन मंगेकिया ने इस परिणाम पर बधाई दी है और इन छात्रों ने सायन्स और कोमर्स धाराओं में कड़ी मेहनत की और उन्हें 12 वीं कक्षा में भी इसी तरह के सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही अब से मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, जीपीएससी, यूपीएसई के क्षेत्र में शिक्षा छात्रवृत्ति देने को कहा।

श्री रामजीभाई मागुंकिया द्वारा, स्कूल के संस्थापक और संरक्षक रामजी भाई मंगेकिया द्वारा ए1 ग्रेड के छात्रों के लिए 100% शुल्क माफी उन माता-पिता के लिए जो आर्थिक संकट के कारण बाहर नहीं निकलते हैं और ए2 ग्रेड के छात्रों के लिए 75% से 50%

तक छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है।सूरत के किसी भी स्कूल के छात्र इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

स्कूल परिसर निदेशक आशीष वधानी और स्कूल के प्रधानाचार्य त्रिशर परमार ने प्रत्येक छात्र को सम्मानित किया।और भविष्य में उच्च सफलता प्राप्त करने और जीवन में कई अन्य उपलब्धियां हासिल करने के लिए छात्रों को प्रेरित और कामना की और 2023 में 10 वीं कक्षा के शिक्षकों की टीम को शुभकामनाओं के साथ और अधिक उत्साही सफलता के लिए प्रोत्साहित किया।

गुजरात में कोरोना के नए मामले 1000 के करीब, सबसे अधिक केस अहमदाबाद में

अहमदाबाद। गुजरात के कोरोना के नए मामले धीरे धीरे एक हजार के करीब पहुं गए हैं। शनिवार को राज्य में 93। नए केस दर्ज हुए हैं, जबकि 745 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। आज कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। रिकवरी रेट घटकर 98.68 प्रतिशत रह गया है। फिलहाल राज्यभर में कोरोना के 5470 सक्रिय मरीज हैं। जिसमें 11 मरीज वेन्टीलेटर पर और 5459 लोग स्टेबल हैं। अब तक कुल 1231215 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं और 10960 लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को राज्य में सबसे अधिक 304 कोरोना के नए केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं और एक मरीज की मौत हो गई। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 83, गांधीनगर में 45, सूरत कॉर्पोरेशन में 45, वडोदरा में 36, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 34, साबरकांठा में 32, राजकोट कॉर्पोरेशन में 2।, बनासकांठा में 24, भावनगर कॉर्पोरेशन में 24, सूरत में 24, वलसाड में 21, कच्छ में 20, राजकोट में 19, आणंद में 14, जामनगर कॉर्पोरेशन में 14, पाटन में 14, नवसारी में 13, मोरबी में 12, अमरेली में 10, पोरबंदर में 10, पोरबंदर में 10, भरुच में 8, अहमदाबाद में 7, खेडा में ।, अरवल्ली में 4, देवभूमि द्वारका में 4, सुरेन्द्रनगर में 4, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 3, गिर सोमनाथ में 2, जूनागढ़ मां 2, तापी में 2, भावनगर, बोटाद, दाहोद में 1-1 समेत राज्यभर में 937 नए केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुए हैं। दूसरी ओर टीकाकरण अभियान के तहत शनिवार को 301991 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। इसके अंतर्गत 18 वर्ष से अधिक आयु के 1918 लोगों को पहला और 5059 को दूसरा डोज दिया गया।

एल. पी. सवाणी ग्रुप ऑफ स्कूल्स का शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में कक्षा 10 का परिणाम घोषित

सूरत भूमि, सूरत। सीबीएसई कक्षा 10वीं का परिणाम आज घोषित हुआ जिसमें एलपी सवाणी स्कूल के 50 छात्र ए1 ग्रेड में, 97 छात्र ए2 ग्रेड में, 108 छात्र बी1 ग्रेड में और 73 छात्र बी2 ग्रेड में उत्तीर्ण हुए। इन सभी छात्रों की सफलता के पीछे एल.पी. सवाणी परिवार विद्यालय के ऊर्जावान प्राचार्य और शिक्षकों की कठोर तपस्या का परिणाम है, जिससे आज इस विद्यालय का नाम सूरत शहर में बहुत ऊंचा हो गया है। इन सभी विद्यार्थियों को एलपी सवानी परिवार के आचार्य और अध्यापकों की तरफ से खूब-खूब अभिनंदन दिया गया जिन्होंने अपनी मेहनत लग्न और प्रतिभा से स्कूल नहीं बल्कि पूरे एल.पी. सवाणी परिवार का रोशन किया।

स्कूल के अध्यक्ष श्री मावजीभाई सवाणी और उपाध्यक्ष श्री धर्मेंद्रभाई सवाणी ने छात्रों को उनकी सफलता और उज्ज्वल भविष्य के लिए स्कूल के प्रिंसिपल के साथ-साथ शिक्षकों, दोस्तों और पूरे स्कूल परिवार को बधाई दी।

सर्वोत्तम परिणामों की परंपरा को बनाए रखनेवाला शिक्षा की दुनिया में एकमात्र अग्रणी संस्थान पी.पी. सवानी चैतन्य विद्या संस्कार अब्रामा में ही है

सूरत। डायमंड सिटी सूरत की जीवनदायिनी तापी नदी के तट पर स्थित और शिक्षा की दुनिया में सबसे अच्छा संस्थान पी. पी. सवाणी चैतन्य विद्या संकुल अब्रामा के छात्रों ने सीबीएसई - 2022 कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा में सफलता का एक नया शिखर साझा किया है। इस स्कूल के सितारों ने हासिल की धधकती सफलता और पी. पी. सवानी परिवार का नाम पूरे गुजरात में रोशन है।

इस साल, कक्षा 10 में कुल 230 छात्र उपस्थित हुए। ये सभी छात्र पास हो चुके हैं। पूरे स्कूल का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा है। 12 छात्र ऐसे हैं जिन्हें ए 1 ग्रेड मिला है। 56 छात्र ऐसे हैं जिन्हें ए 2 ग्रेड मिला है।

इन सभी छात्रों की सफलता के पीछे पी. पी. सवाणी परिवार, स्कूल के ऊर्जावान प्राचार्य और शिक्षकों की कठोर तपस्या का परिणाम है। जिससे आज सूरत शहर में इस स्कूल का नाम गूंज उठा है। ये सभी छात्र अपनी अनूठी मेहनत, लगन और प्रतिभा से न सिर्फ इस स्कूल बल्कि पूरे पी. पी.सवाणी परिवार का नाम रोशन किया है। दरअसल, सफलता दौड़ के अंतिम चरण में ही नहीं मिलती, बल्कि इसमें हर कदम का हिस्सा होता है। इसलिए छात्र हर कदम समझ के साथ पी.पी. सवाणी चैतन्य विद्या परिसर की तरफ उठाते हैं जिससे तो इनकी सफलता निश्चित ही है।

शानदार सफलता हासिल करने वाले सभी छात्र पी. पी। सवानी परिवार की ओर से बधाई।

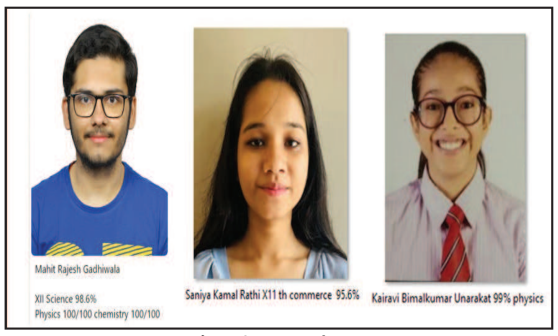

स्कॉलर इंग्लिश अकेडमी डुमस रोड़ का 100% परिणाम

सूरत भूमि,सूरत। 12th साइंस एवं कॉमर्स में 100% रिजल्ट रहा एवं 10th का भी 100% रिजल्ट रहा ।12th साइंस में केरवी बिमलकुमार उनकत का 99% महित राजेश गढ़ीवाला का 98.6% एवं अनुज शाह का 97.6% रहा। काफी बच्चों के कुछ सब्जेक्ट में 100/100 भी आये । महित गढ़ीवाला हॉल ही JEE MAINS में पूरे गुजरात मे 1ST रैंक लाया था। 12th कॉमर्स में सानिया कमल राठी 95.6%,आरुषि वाडीवाला 84.4%,सुधांशू सिंगला 82.6% रहा सानिया बिज़नेस स्टडीज में 100/100 लेकर आई। 10 th में ध्रुवी वोरा 90%,तेजस्विनी ठाकरे 87.8%,प्रियांश सिंह 87.2% रहा। तेजस्वी बच्चों को स्कॉलर परिवार मैनेजमेंट और प्रिंसिपल ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी है एवं भविष्य में अपने प्रयासों द्वारा अपने परिवार ,समाज शहर का नाम रोशन करे ऐसी प्रेरणा दी।

श्री स्वामीनारायण अकादमी के छात्रों ने एक बार फिर सीबीएसई कक्षा 10 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

सूरत। सर्वोत्तम परिणामों की परंपरा को कायम रखते हुए, श्री स्वामीनारायण अकादमी, अदजान के छात्रों ने एक बार फिर 2021-2022 में आयोजित कक्षा 10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 100% सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए हैं। स्कूल ने लगातार 12 वर्षों से शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। स्कूल के कई छात्रों ने शहर के टॉपर्स में जगह बनाई है।

नंदवानी प्रियांशी - 98.80%, पटेल तनीषा - 95.40%, पटेल ग्रेसी - 95.40%, शाह जिया - 95.40%, थरकन भव्य - 95.00%, मेहता सुजल - 94.80%, लपसीवाला नील - 94.60 % ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

कक्षा 10 में कुल 130 छात्र उपस्थित हुए और सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। 65 छात्रों ने 90% से अधिक, 50 छात्रों ने 80% से अधिक, 15 छात्रों ने 60% से अधिक स्कोर किया और विशेष योग्यता प्राप्त की। इसके अलावा नंदवानी प्रियांशी ने सामाजिक विज्ञान और संस्कृत में 100 में से 100 अंक हासिल कर स्कूल और परिवार को गौरवान्वित किया है। शिक्षा, खेल, कला, प्रतियोगी परीक्षा आदि जैसे सभी क्षेत्रों में सर्वोत्तम परिणाम देने के लिए विद्यालय के संस्थापक स्वामी श्री हरिवल्लभदासजी को परंपरा को बनाए रखने के लिए विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशासक श्री दिनेशभाई, माता-पिता और शिक्षण स्टाफ को बधाई। और छात्रों को जीवन में और भी कई उपलब्धियां हासिल करने की कामना की और कहा कि स्कूल को अपने छात्रों पर गर्व है।

श्री स्वामीनारायण अकादमी की ओर से शानदार सफलता हासिल करने वाले सभी विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई।

एसडीजे इंटरनेशनल स्कूल पलसाना 100% परिणाम, सफलता का नया स्तर

सूरत। एसडीजे इंटरनेशनल स्कूल पलसाना कक्षा 10वीं और 12वीं सी. बी. एसई के। 100 फीसदी रिजल्ट आया है। जैसे ही स्कूल के सभी छात्र प्रथम श्रेणी में आए, स्कूल में उत्सव का माहौल था। दसवीं कक्षा में कृष चापलोट ने 92.6 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुष्मिता पराशर 91.8 प्रतिशत के साथ दूसरे और साक्षी कुनडीया 89 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। 12वीं कक्षा में राची मोदी ने साइंस स्ट्रीम में 88 फीसदी अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। एस डी जे इंटरनेशनल स्कूल पलसाना के छात्र शिक्षा के क्षेत्र में सभी के लिए एक मिसाल कायम कर रहे हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)